नई दिल्ली
सोमवार
16 नवम्बर 2026
वर्षः 13, अंकः 73
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की



बिहार में श्रद्धा और उल्लास के साथ अस्ताचलगामी...पेज-05

DELHIN/2014/58158

खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आठवें संस्करण...पेज-08

एक नजर

अद्वैता काला प्रसार भारती की प्रधान सलाहकार नियुक्त

नई दिल्ली। देश के सार्वजनिक प्रसारक 'प्रसार भारती' ने लेखिका, पुरस्कार विजेता पटकथा लेखक और स्तंभकार अद्वैता काला को अपना प्रधान सलाहकार नियुक्त किया है। मूल रूप से उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के सुमाड़ी गांव की अद्वैता काला ने साहित्य, सिनेमा और पत्रकारिता के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। काला को मुख्य रूप से विद्या बालन अभिनीत बहुचर्चित हिंदी फिल्म 'कहानी' की पटकथा लिखने के लिए जाना जाता है। इस फिल्म के लिए उन्हें 'स्क्रीन अवार्ड' और 'जी सिने अवार्ड' सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा, उनका उपन्यास 'ऑलमोस्ट सिंगल' एक सर्वाधिक बिकने वाली पुस्तक रहा है, जिसका प्रकाशन अमेरिका और फ्रांस जैसे देशों में भी किया गया है। साहित्य और सिनेमा के साथ-साथ वह एक सक्रिय स्तंभकार और राजनीतिक-सामाजिक विश्लेषक भी हैं। वह नियमित रूप से विभिन्न राष्ट्रीय समाचार पत्रों और टेलीविजन मंचों के माध्यम से समसामयिक विषयों पर अपने विचार साझा करती रहती हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सफलता हासिल करने के बावजूद अद्वैता काला का अपनी जन्मभूमि से गहरा जुड़ाव रहा है। वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान उन्होंने 'प्रोजेक्ट भुली' नामक पहल के माध्यम से पौड़ी गढ़वाल के विभिन्न गांवों और स्थानीय समुदायों तक राहत एवं सहायता पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया था। प्रसार भारती में उनकी इस नियुक्ति को साहित्य, सिनेमा, पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में उनके व्यापक अनुभव का लाभ उठाने वाले एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

विदेशी निवेशकों ने नवंबर में झोंके 76,188 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। लगातार दो महीनों की भारी बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर में भारतीय शेयर बाजार में ऐतिहासिक वापसी की है। सिर्फ दो सप्ताह के भीतर ही विदेशी निवेशकों ने घरेलू बाजार में इतना पैसा लगा दिया है कि तीन साल पुराना मंथली रिकॉर्ड भी टूट गया है। विदेशी निवेशकों के इस जबरदस्त उत्साह से दलाल स्ट्रीट की रौनक फिर से लौट आई है और घरेलू निवेशकों का मनोबल भी काफी मजबूत हुआ है। स्टॉक मार्केट के आंकड़ों के मुताबिक इस महीने 13 नवंबर 2026 के बीच विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी मार्केट में 76,188.75 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की है।

इससे पहले किसी एक महीने में सर्वाधिक विदेशी निवेश का रिकॉर्ड दिसंबर 2023 के नाम दर्ज था, जब एफपीआई ने एक महीने में 66,135 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इस बार नवंबर मे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने ताबड़तोड़ खरीदारी करते हुए नया कीर्तिमान बना डाला। महीने के शुरुआती नौ कारोबारी सत्रों में ही एफपीआई द्वारा दिसंबर 2023 बनाया 66,135 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड पीछे छूट गया और अब एक नया रिकॉर्ड स्थापित हो गया है। नवंबर की यह ताबड़तोड़ खरीदारी इसलिए भी बेहद खास है, क्योंकि इससे ठीक पहले के दो महीनों में विदेशी निवेशकों ने बाजार से जम कर पूंजी निकाली थी। सितंबर महीने में विदेशी निवेशकों ने 35,861 करोड़ रुपये और अक्टूबर महीने में 34,843 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की थी। इस तरह दो महीनों में कुल 70,704 करोड़ रुपये भारतीय बाजार से बाहर चले गए थे, जिसकी पूरी भरपाई नवंबर के शुरुआती दो हफ्तों में ही हो गई है।

जनजातीय गौरव दिवस भारत के जनजातीय समुदायों की समृद्ध विरासत, संस्कृति और योगदान का उत्सव मनाता है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में भाग लिया, जहां उन्होंने लगभग 3,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 246 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर एकत्र जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने देशभर के नागरिकों का 'जोहार' कहकर अभिवादन किया और भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि देशभर में आयोजित हो रहे ये समारोह जनजातीय समुदायों के गौरव को दर्शाते हैं। साथ ही, देश द्वारा अपने जनजातीय नायकों और वीरांगनाओं को याद करना उनकी स्थायी प्रेरणा का प्रतीक है। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित भव्य समारोह का उल्लेख करते हुए, जिसे समृद्ध जनजातीय संस्कृति और राघोजी भांगरे, भागोजी नाइक तथा वीर बाबूराव शेडमाके की वीरगाथाओं से जुड़ी भूमि के रूप में जाना जाता है, प्रधानमंत्री ने सभी जनजातीय वीर योद्धाओं को नमन किया। श्री मोदी ने कहा, 'मैं देशभर से इस कार्यक्रम में भाग ले रहे सभी राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, उपमुख्यमंत्रियों और प्रत्येक जनप्रतिनिधि का भी अभिनंदन करता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 15 नवम्बर, 2021 को शुरू हुआ जनजातीय गौरव दिवस मनाने का सिलसिला आज एक राष्ट्रीय उत्सव का रूप ले चुका है। पिछले वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर देशभर में दो लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें करोड़ों नागरिकों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, 'आज भारत स्वदेशी स्वाभिमान के साथ अपनी विरासत, अपने इतिहास और अपने नायकों का स्मरण कर रहा है। यह हमारी राष्ट्रीय चेतना में आए एक बड़े बदलाव का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि किस



प्रकार जनजातीय समुदायों ने औपनिवेशिक अन्याय के विरुद्ध लगातार अपनी आवाज बुलंद की। उन्होंने खासी पहाड़ियों में तिरोत सिंह के संघर्ष, छोटानागपुर के कोल आंदोलन, सिदो-कान्हू के नेतृत्व में हुए संथाल विद्रोह, मानगढ़ में गोविंद गुरु के अनुयायियों के बलिदान तथा रानी गाइदिन्ल्यू, टंट्या भील, अल्लूरी सीताराम राजू और रानी दुर्गावती के साहस का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने इन सभी स्वतंत्रता आंदोलनों की व्यापक विरासत को रेखांकित किया। श्री मोदी ने कहा, 'इन सभी वीरगाथाओं के साथ-साथ भगवान बिरसा मुंडा का उलगुलान और छोटी-सी उम्र में उनके द्वारा किया गया संघर्ष आज भी हम करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा है।

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विभिन्न राज्यों में लगभग 3,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 170 से अधिक जनजातीय विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और 70 से अधिक परियोजनाओं का शिलान्यास किए जाने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने मिजोरम में स्वतंत्रता सेनानी रोपुइलियानी को समर्पित एक संग्रहालय और अरुणाचल प्रदेश में जनजातीय अनुसंधान संस्थान के नए भवन के उद्घाटन की जानकारी दी। इन परियोजनाओं में शैक्षणिक संस्थान, स्वास्थ्य सेवाएं, जनजातीय उत्पाद विपणन केंद्र और ग्रामीण बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्य भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, 'मैं इन सभी परियोजनाओं के लिए देशवासियों को हार्दिक बधाई देता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष का यह उत्सव ऐसे समय में हो रहा है, जब देश की दो ऐतिहासिक उपलब्धियों की व्यापक चर्चा हो रही है। इनमें लगभग 50 करोड़ नागरिकों का अत्यधिक गरीबी से बाहर निकलना और भारत का नक्सलवाद तथा माओवादी आतंक से मुक्त होना शामिल है। प्रधानमंत्री ने जनजातीय क्षेत्रों के लिए इन दोनों उपलब्धियों के महत्व पर जोर दिया। श्री मोदी ने कहा, 'ये दोनों उपलब्धियां हमारे जनजातीय भाई-बहनों के जीवन से गहराई से जुड़ी हुई हैं। विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए, जिसमें कहा गया है कि पिछले 12 से 13 वर्षों में लगभग 50 करोड़ भारतीय अत्यधिक गरीबी से बाहर निकले हैं, प्रधानमंत्री ने इसे स्वतंत्रता के बाद भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि किसी एक सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक शक्ति, प्रत्येक नागरिक की कड़ी मेहनत तथा केन्द्र सरकार की लक्षित जनजातीय कल्याणकारी योजनाओं और निर्णयों के परिणामस्वरूप हासिल हुई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, 'इस उपलब्धि के लिए मैं सभी देशवासियों, विशेष रूप से अपने जनजातीय भाई-बहनों को हार्दिक बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि लाखों लोगों का गरीबी से बाहर निकलना उन लोगों को प्राथमिकता देने के दृढ़ संकल्प की पूर्ति है, जो दशकों से विकास की मुख्यधारा से वंचित रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने उन अत्यंत पिछड़े जनजातीय क्षेत्रों में अपनी पूरी ताकत लगा दी, जहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। पीएम-जनमन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के लिए एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है। श्री मोदी ने कहा, 'हमारा प्रयास रहा है कि जिन परिवारों तक आजादी के बाद सबसे अंत में सुविधाएं पहुंचीं, अब उन तक सबसे तेजी से सुविधाएं पहुंचें। गरीबों को प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि गरीबों के लिए चार करोड़ से अधिक पक्के मकान बनाए गए हैं, आजादी के बाद दशकों तक अंधेरे में रहे 18,000 गांवों में बिजली पहुंचाई गई है और आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य कवरेज उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा, 1.75 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से दूरदराज के जनजातीय क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंची हैं। प्रधानमंत्री ने ग्रामीण स्वच्छता के प्रभाव को भी रेखांकित किया। श्री मोदी ने कहा, 'जब गरीब परिवारों को शौचालय मिले और स्वच्छता सुविधाओं का विस्तार हुआ, तो अनेक बीमारियों का खतरा भी कम हो गया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि गरीबी उन्मूलन के लिए गरीब परिवारों की आय के अवसरों का विस्तार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना के तहत लाखों करोड़ रुपये के ऋण बिना किसी गारंटी के वितरित किए गए, जिससे गरीबों, दलितों, पिछड़े वर्गों और जनजातीय समुदायों को समान रूप से लाभ हुआ। श्री मोदी ने कहा, 'इसके माध्यम से उनमें आगे बढ़ने का एक नया आत्मविश्वास पैदा हुआ। प्रधानमंत्री ने उन क्षेत्रों में लक्षित प्रयासों का उल्लेख किया, जो लंबे समय से विकास की दृष्टि से पिछड़े हुए थे। इनमें बड़ी जनजातीय आबादी वाले 100 से अधिक आकांक्षी जिलों और 500 से अधिक आकांक्षी ब्लॉकों में चलाया गया विशेष अभियान तथा किसानों, गरीब परिवारों और जनजातीय समुदायों के लिए नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना के तहत कृषि की दृष्टि से पिछड़े 100 जिलों में चलाया गया विशेष अभियान शामिल है। प्रधानमंत्री ने सामूहिक प्रयासों की परिवर्तनकारी शक्ति को रेखांकित किया। श्री मोदी ने कहा, 'इन सामूहिक प्रयासों और सबका साथ, सबका विकास के मंत्र ने देश के गरीबों को नया आत्मविश्वास दिया और करोड़ों गरीबों ने गरीबी को पराजित करके यह साबित कर दिखाया। नक्सलवाद से मुक्ति को देश की दूसरी बड़ी उपलब्धि बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि गढ़चिरौली सहित देश के विभिन्न जनजातीय क्षेत्रों में नक्सलवाद ने जनजातीय समुदायों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया था। उन्होंने बताया कि देश के लगभग 125 जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे, जहां हर साल सैकड़ों हिंसक घटनाएं होती थीं और हजारों निर्दोष लोगों की जान जाती थी। इनमें अधिकांश जनजातीय भाई-बहन थे।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा, आंध्र प्रदेश से ओडिशा तक भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के मौसम में एक साथ कई बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उत्तर भारत में जहां ठंड और कोहरे का प्रभाव बढ़ने लगा है, वहीं बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहा मौसमी सिस्टम चक्रवाती तूफान में बदलने की ओर बढ़ रहा है। इसके चलते दक्षिण और पूर्वी भारत के कई राज्यों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की आशंका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने विभिन्न राज्यों के लिए बारिश, तेज हवाओं और आंधी-तूफान को लेकर चेतावनी जारी की है। आईएमडी के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना स्पष्ट निम्न दबाव का क्षेत्र अब गहरे निम्न दबाव के बाद दबाव के क्षेत्र में तब्दील हो गया है। इसके सोमवार को दक्षिण और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। इसके बाद मंगलवार को पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर पहुंचकर इसके गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप लेने का अनुमान है। मौसम प्रणाली के लगातार उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए आंध्र प्रदेश के तट की ओर जाने की संभावना जताई गई है। इस मौसमी सिस्टम के प्रभाव से तटीय क्षेत्रों में 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। समुद्र में स्थिति प्रतिकूल रहने और तटीय इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की आशंका को देखते हुए संबंधित राज्यों में सतर्कता बरतने की जरूरत है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में सुबह और रात के समय ठंड का अहसास बढ़ने लगा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 16 और 17 नवंबर को सुबह के समय अधिकांश इलाकों में हल्की धुंध तथा कुछ स्थानों पर मध्यम कोहरा छाया रह सकता है। इस दौरान अधिकतम तापमान 25 से 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

भारत और सोमालिया के बीच पहली विदेश कार्यालय परामर्श बैठक

नई दिल्ली। भारत और सोमालिया के बीच पहली विदेश कार्यालय परामर्श बैठक रविवार को सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में आयोजित हुई। बैठक में दोनों देशों ने राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों की समीक्षा की। साथ ही द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के पश्चिम एशिया एवं उत्तरी अफ्रीका (डब्ल्यूएएनए) प्रभाग के संयुक्त सचिव और सोमालिया के विदेश मंत्रालय के स्थायी सचिव ने की। बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापार एवं निवेश, लघु और मध्यम उद्यम, स्वास्थ्य एवं औषधि क्षेत्र, क्षमता निर्माण, आतंकवाद-रोधी सहयोग तथा समुद्री सुरक्षा को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया। इसके अलावा, दोनों देशों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

वायु सेना के 13 बेस रिपेयर डिपो ने सर्विस के पचास साल पूरे होने का जश्न मनाया

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय वायु सेना के 13 बेस रिपेयर डिपो ने नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में अपनी शानदार सर्विस के पचास साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस मौके पर मेंटेनेंस कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल यल्ला उमेश ने डिपो के सफर पर रोशनी डाली। उन्होंने एयर डिफेंस की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए देसी इंजीनियरिंग और इंडस्ट्रियल क्षमताएं बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया।



मानेकशॉ सेंटर में 'एयर डिफेंस 2040: सेंसर्स, नेटवर्क्स और सॉवरेन सस्टेनमेंट' विषय पर आयोजित सेमिनार में वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के अलावा डीआरडीओ और डिफेंस इंडस्ट्री के बड़े पार्टनर्स ने हिस्सा लिया। एयर मार्शल यल्ला उमेश ने इस मौके पर कहा कि 1976 में बना बेस रिपेयर डिपो वायु सेना के मेंटेनेंस इकोसिस्टम का एक अहम हिस्सा रहा है, जो जरूरी रडार और कम्युनिकेशन इक्विपमेंट की रिपेयर, ओवरहॉल और लाइफ साइकिल सपोर्ट का काम करता है। रडार और कम्युनिकेशन प्रोजेक्ट ऑफ़िस से अपनी विरासत को आगे बढ़ाते हुए डिपो ने पिछले पांच दशकों में जरूरी एयर डिफेंस सिस्टम की परिचालन उपलब्धता और विश्वसनीयता पक्का करने में अहम योगदान दिया है। अपने स्वागत भाषण में एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने इस बात पर जोर दिया कि किसी एयर डिफेंस सिस्टम का असली असर उसकी ऑपरेशनल उपलब्धता में होता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सस्टेनमेंट इक्विपमेंट डिजाइन और इंडक्शन का जरूरी हिस्सा होना चाहिए। एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने कहा कि सॉवरेन सस्टेनमेंट का मतलब है देश के अंदर एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम को डायग्नोस, रिपेयर और रिस्टोर करने की क्षमता। उन्होंने इंडस्ट्री पार्टनर्स से देसी टेस्टिंग, रिपेयर और लाइफ-साइकिल सपोर्ट क्षमताओं वाले इक्विपमेंट डेवलप करने की अपील की, जिससे डिफेंस में आत्मनिर्भरता के विजन को मजबूती मिले। सेमिनार में क्वांटम सेंसिंग, लाइफ-साइकिल मैनेजमेंट और एयर डिफेंस रडार और नेटवर्क-सेंट्रिक एयर डिफेंस के मॉडर्नाइजेशन जैसी नई टेक्नोलॉजी पर एक्सपर्ट्स ने चर्चा की गई।

भारत और इटली के अंतरराष्ट्रीय भौतिकी केंद्र के बीच वैज्ञानिक सहयोग बढ़ाने के लिए कोष शुरू

नई दिल्ली। भारत और इटली स्थित अंतरराष्ट्रीय सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र (आईसीटीपी) ने वैज्ञानिक सहयोग और भारतीय शोधकर्ताओं की अंतरराष्ट्रीय आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए 'भारत-आईसीटीपी सहयोग कोष' शुरू किया है। इसके तहत भारतीय वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय शोध केंद्र में काम करने और शोध के नए अवसर मिलेंगे।



केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और आईसीटीपी के बीच इस संबंध में आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह की इटली यात्रा के दौरान ट्राइस्टे स्थित आईसीटीपी में यह समझौता हुआ। भारतीय पक्ष की ओर से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रमुख डॉ. प्रवीणकुमार सोमसुंदरम ने आशय पत्र का आदान-प्रदान किया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि भारत-आईसीटीपी सहयोग कोष से दोनों पक्षों के बीच पहले से जारी सहयोग को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा साझेदारी को संस्थागत स्वरूप देने से वैज्ञानिक सहयोग और शोधकर्ताओं की आवाजाही को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल भारत और आईसीटीपी के बीच लंबे समय से जारी साझेदारी को आगे बढ़ाएगी। इस केंद्र के विभिन्न कार्यक्रमों में भारतीय वैज्ञानिक, शोधकर्ता और विद्यार्थी पहले से हिस्सा लेते रहे हैं।

अरुणाचल प्रदेश के नामसाई पहुंचीं भगवान बुद्ध की पवित्र अस्थियां

नई दिल्ली,एजेंसी। भगवान बुद्ध की पवित्र अस्थियां 14 नवंबर को अरुणाचल प्रदेश के नामसाई स्थित गोल्डन पैगोडा पहुंचीं। राज्य में इनके प्रदर्शन का यह तीसरा और अंतिम चरण है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनाइक (सेवानिवृत्त) ने नामसाई में अस्थियों का स्वागत किया। श्रद्धालु 20 नवंबर तक गोल्डन पैगोडा में इनके दर्शन कर सकेंगे। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, पवित्र अस्थियों को नालुंग हेलीपैड पर औपचारिक रूप से प्राप्त करने के बाद गोल्डन पैगोडा (कोंगमु खाम) में स्थापित किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री चौना मीन, राज्य के मंत्री, जनप्रतिनिधि और बौद्ध धर्मगुरु मौजूद रहे। इसके बाद राज्यपाल ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने कहा कि पवित्र अस्थियां भगवान बुद्ध के जीवन, ज्ञान प्राप्ति और उनकी शाश्वत शिक्षाओं का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि संघर्ष, असहिष्णुता और हिंसा के दौर में शांति, करुणा, ज्ञान और अहिंसा का बुद्ध

☐ 20 नवंबर तक श्रद्धालु कर सकेंगे दर्शन



संदेश विशेष महत्व रखता है। उन्होंने लोगों से इन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने और सद्भाव तथा आपसी सम्मान पर आधारित समाज बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर गोल्डन पैगोडा के ध्यान केंद्र में दो विशेष प्रदर्शनियों का भी उद्घाटन किया गया।

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ की ओर से आयोजित 'अनअर्थिंग द सेक्रेड पिपरहवा : द स्टोरी ऑफ द होली बुद्धा रेलिक्स एंड देयर डिस्कवरी' प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश के पिपरहवा में हुई पुरातात्विक खोजों और बुद्ध की पवित्र अस्थियों के ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व को दर्शाया गया है। इसमें पिपरहवा रत्न संग्रह की यात्रा और एक सदी से अधिक समय बाद 2025 में उसकी भारत वापसी को भी शामिल किया गया है। राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली की ओर से तैयार दूसरी प्रदर्शनी 'क्रॉसरोड्स ऑफ धम्मा: क्लासिकल लेगेसीज, लिविंग आर्ट एंड एंथ्रोपोलॉजिकल पर्सपेक्टिव्स' में बौद्ध धर्म की कला, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया है। इससे पहले पश्चिम कामेंग जिले के बोमडिला स्थित थुबचोग गत्सेल लिंग मठ में 8 से 13 नवंबर तक छह दिवसीय प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। इस दौरान 35 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र अस्थियों के दर्शन किए। इससे पहले 31 अक्टूबर से 7 नवंबर तक तवांग मठ में आयोजित प्रदर्शनी में 31 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे थे। इस तरह तवांग और बोमडिला में कुल 66 हजार से अधिक लोगों ने दर्शन किए। अरुणाचल प्रदेश में पवित्र अस्थियों की प्रदर्शनी 13 वर्ष के अंतराल के बाद आयोजित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने छठ घाट पर अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार



नई दिल्ली। दिल्ली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोनिया विहार स्थित यमुना छठ घाट पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और छठी मैया की पूजा-अर्चना कर समस्त दिल्लीवासियों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। यमुना तट पर श्रद्धा, भक्ति और लोक संस्कृति के रंगों से सजे इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु छठी मैया की आराधना के लिए पहुंचे। पारंपरिक वेशभूषा, छठ गीतों, दीपों और पूजा के सूपों से सजे घाटों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और उत्सवमय बना दिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बोट पर सवार होकर यमुना तट पर बनाए गए छठ घाटों का निरीक्षण भी किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न घाटों पर उपस्थित छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और सभी को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संध्या अर्घ्य के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लोक आस्था के महापर्व छठ पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने की परंपरा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सनातन संस्कृति के महान संस्कारों का अद्भुत प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने छठी मैया और भगवान भास्कर से प्रार्थना की कि सभी व्रतियों की साधना सफल हो तथा हर परिवार में सुख, समृद्धि और आरोग्य का वास हो। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन, स्वच्छता, समर्पण और सामाजिक समरसता का अनुपम उत्सव है। यह पर्व हमें प्रकृति और पर्यावरण के प्रति सम्मान का भाव सिखाता है। डूबते और उगते सूर्य, दोनों की उपासना करने की परंपरा जीवन के हर चरण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का संदेश देती है। छठ के दौरान परिवार ही नहीं, बल्कि पूरा समाज एक साथ पूजा-अर्चना में सहभागी बनता है। यही सामूहिकता और लोक संस्कृति इस पर्व को विशेष बनाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली देश के हर हिस्से से आए लोगों का अपना घर है और पूर्वांचल समाज ने अपनी मेहनत, परिश्रम और समर्पण से राजधानी के निर्माण व विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दिल्ली सरकार का संकल्प है कि राजधानी में रहने वाले पूर्वांचल के भाई-बहनों को अपने हर पर्व और त्योहार पर घर जैसा अपनापन और सुविधाएं मिलें। छठ महापर्व उनकी आस्था और सांस्कृतिक पहचान से गहराई से जुड़ा है, इसलिए सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के लिए बेहतर घाट, स्वच्छ वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों।

उन्होंने कहा कि इसी भावना के तहत दिल्ली सरकार द्वारा यमुना के किनारे छठ महापर्व के आयोजन के लिए बेहतर व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं। उत्तरी दिल्ली स्थित मुनक नहर पर विकसित छठ घाट जैसी पहल भी पूर्वांचल समाज की लंबे समय से चली आ रही मांग और भावनाओं को सम्मान देने की दिशा में विशेष कदम है। सरकार का प्रयास है कि राजधानी के अलग-अलग क्षेत्रों में श्रद्धालुओं को सुविधाजनक और व्यवस्थित घाट उपलब्ध हों, जिससे उन्हें पूजा के लिए दूर न जाना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहारों के अवसर पर अपने गृह राज्य और परिवार के पास जाने की इच्छा भी स्वाभाविक है। इसे ध्यान में रखते हुए दिल्ली और बिहार के बीच छठ स्पेशल बसों की व्यवस्था की गई है ताकि पूर्वांचल और बिहार के लोग सुविधाजनक ढंग से अपने घर पहुंच सकें और पर्व मनाकर वापस दिल्ली लौट सकें। सरकार का प्रयास केवल सुविधाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि हर पूर्वांचली परिवार को यह एहसास दिलाना है कि दिल्ली भी उनका अपना घर है।

छठ घाटों पर पहुंच कर विधानसभा अध्यक्ष ने श्रद्धालुओं के साथ की पूजा-अर्चना

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे



नई दिल्ली। छठ महापर्व हमारी सांस्कृतिक परंपराओं की चिरस्थायी शक्ति तथा मानवता और प्रकृति के बीच गहरे आध्यात्मिक संबंध को प्रतिबिंबित करता है। प्रत्येक श्रद्धालु को गरिमा, सुरक्षा और सुविधापूर्वक इन पवित्र अनुष्ठानों को संपन्न करने का अवसर मिलना चाहिए।

यह बात दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रविवार को रोहिणी स्थित छठ पूजा में भाग लेते हुए कही। उन्होंने पूजा-अर्चना की तथा श्रद्धालुओं के साथ महापर्व की पवित्र परंपराओं का निर्वहन किया। उन्होंने श्रद्धालुओं एवं स्थानीय निवासियों से संवाद करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा छठ महापर्व की बधाई दी। चार दिवसीय यह महापर्व कल प्रात: अर्घ्य के साथ संपन्न होगा, जब श्रद्धालु उदय होते सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करेंगे। इसके साथ ही पारंपरिक व्रत एवं धार्मिक अनुष्ठानों का समापन होगा। विधानसभा अध्यक्ष ने इस महापर्व के आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि सूर्यदेव की उपासना प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और जीवन के संरक्षण एवं संवर्धन में उसकी अपरिहार्य भूमिका को स्वीकार करने का प्रतीक है। घाटों के अपने भ्रमण के दौरान विजेंद्र गुप्ता ने श्रद्धालुओं से संवाद किया तथा छठ महापर्व के आयोजन को सुगम बनाने में स्थानीय समुदायों और स्वयंसेवकों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्वच्छता, जनसुविधाओं और सुरक्षित व्यवस्थाओं के महत्व पर बल दिया, ताकि सभी लोग सहजता एवं सुविधापूर्वक पूजा-अनुष्ठानों में भाग ले सकें। उन्होंने समापन अनुष्ठानों के दौरान विभिन्न नागरिक एजेंसियों के बीच निरंतर समन्वय बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। श्रद्धालुओं एवं उनके परिवारों को शुभकामनाएं देते हुए विजेंद्र गुप्ता ने छठ महापर्व को भक्ति, कृतज्ञता, पवित्रता और सामूहिक सद्भाव का पर्व बताया। उन्होंने कहा कि सूर्यदेव की उपासना और प्राकृतिक तत्वों के प्रति श्रद्धा की इस सदियों पुरानी परंपरा में पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के साथ सतत सह-अस्तित्व का शाश्वत संदेश निहित है।

पहाड़गंज में होटल निर्माण के दौरान दूसरी मंजिल का लिंटर गिरा, आठ मजदूर घायल

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में रविवार शाम होटल निर्माण के दौरान एक इमारत की दूसरी मंजिल का लिंटर डालते समय उसका एक हिस्सा ढह गया। हादसे में वहां काम कर रहे आठ लोग घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक रविवार को पहाड़गंज थाने में इमारत का हिस्सा गिरने की पीसीआर कॉल मिली थी। हादसा काशेरूवालान, संगतराशन स्थित प्रॉपर्टी नंबर 3992-3993 में हुआ। यह जगह सरकारी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सामने है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव की कार्रवाई शुरू की। जांच में पता चला कि इमारत में होटल बनाने का काम चल रहा था। रविवार शाम दूसरी मंजिल की छत का लिंटर डाला जा रहा था। इसी दौरान इमारत का एक हिस्सा अचानक ढह गया। इस हादसे में मलबे और निर्माण स्थल पर मौजूद शेख सद्दाम (37), शेख राजा (20), मोहम्मद सुहैल (50), संजुद खान (40), गौतम यादव (28), वरुण यादव (36), राजा (36) और मंत्सु (40) घायल हो गए। सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, कुछ घायलों को फ्रैक्चर आए हैं, जबकि कुछ को मामूली चोटें लगी हैं। डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। पुलिस की शुरुआती जांच में इमारत के सहायक खंभे गीले पाए गए और भवन झुका हुआ नजर आया। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि लिंटर गिरने की असल वजह क्या थी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भगवान बिरसा मुंडा को किया नमन



नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस पर बांसेरा पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। इसके बाद दिल्लीवासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रेरक संबोधन सुना।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने दशकों तक उपेक्षित रहे जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ उसकी भुला दी गई गौरवशाली विरासत, अस्मिता और महानायकों को राष्ट्रीय सम्मान दिलाया है। पीएम जनमन और धरती आबा अभियान इसी संकल्प को धरातल पर उतार रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अन्याय और विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष का ऐसा बिगुल फूंका, जिसने जनजातीय समाज में स्वाभिमान और स्वतंत्रता की नई चेतना जगाई। जल, जंगल, जमीन और अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए उनका संघर्ष केवल एक समाज का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव और अस्मिता का संघर्ष था। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का त्याग, तप और बलिदान भारत की महान जनजातीय विरासत का अमर अध्याय है। इस अवसर पर विधायक तरविंदर सिंह मारवाह, दिल्ली भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष सीएल मीणा, प्रदेश उपाध्यक्ष रणजीत सिंह कश्यप, सुनील चौहान एवं निगम पार्षद अर्जुन मारवाह सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने की छठी मैया की विधि-विधान से पूजा-अर्चना



नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने रविवार को अपने निवास स्थान पर छठ महापर्व पूरे श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने छठी मैया की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। उनकी पत्नी स्वाति वर्मा ने भी निवास स्थान पर पहुंचे सभी छठ व्रतियों और उनके परिवारजनों का आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से छठ पूजा की व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, लोक संस्कृति और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यह पर्व हमें स्वच्छता, संयम, समर्पण और परिवार के साथ समाज की खुशहाली का संदेश देता है। छठ पूजा में व्रतियों की कठिन साधना और निष्ठा हमारी सांस्कृतिक परंपराओं की खूबसूरती को दर्शाती है। उन्होंने छठी मैया से प्रार्थना की कि उनका आशीर्वाद दिल्ली सहित पूरे देश के प्रत्येक परिवार पर बना रहे। सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य आए तथा हर घर खुशियों से रोशन हो। उन्होंने सभी देशवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

भाजपा नेताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उनके चित्र पर माल्यार्पण करके पुष्पांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा सहित सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, प्रदेश



पदाधिकारी राजेश भाटिया, प्रवीण शंकर कपूर, रंजीत कश्यप, नरेश वशिष्ठ, मनोज कुमार जाटव, संतोष ओझा, संतोष पाल, सीएल मीणा, राजेश गोयल, राजन तिवारी, अमित गुप्ता, सत्येंद्र सिंह आदि ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, जल-जंगल-जमीन के संरक्षण और स्वाभिमान के प्रतीक थे। उनके 'उलगुलान' आंदोलन ने अंग्रेजी हुकूमत को हिलाकर रख दिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने बिरसा मुंडा के सम्मान में 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' घोषित किया है। मल्होत्रा ने कहा की आज हम 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा जी की 151वीं जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन करते हैं। बिरसा मुंडा ने कम उम्र में ही अन्याय के खिलाफ बिगुल फूंका और 'जल, जंगल, जमीन' की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। वे केवल आदिवासी समाज के ही नहीं, बल्कि पूरे देश के युवाओं के प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा से प्रेरणा लेते हुए जनजातीय समाज के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। एकलव्य मॉडल स्कूल, वन धन योजना और जनजातीय गौरव दिवस इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने हमें अत्याचार के सामने झुकना नहीं सिखाया है। उनका जीवन त्याग, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। दिल्ली भाजपा उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का संकल्प लेती है।

महापौर प्रवेश वाही ने किराड़ी के छठ घाट पर हजारों श्रद्धालुओं के साथ की सूर्य उपासना

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे



नई दिल्ली। दिल्ली सहित पूरे देश में आज छठ महापर्व श्रद्धा, आस्था एवं उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस पावन अवसर पर दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने किराड़ी स्थित छठ घाट पर पहुंचकर हजारों श्रद्धालुओं के साथ सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया तथा विधिवत पूजा-अर्चना कर सभी के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक व पूर्व निगम पार्षद रामदयाल महतो, अनिता सिंह, सुशील गोयल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं हजारों श्रद्धालु उपस्थित थे। महापौर ने कहा कि इस वर्ष दिल्ली में छठ महापर्व के आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। पहली बार बड़ी संख्या में लोगों ने दिल्ली सरकार द्वारा छठ पूजा के आयोजन के लिए किए गए व्यापक प्रयासों और व्यवस्थाओं की सराहना की है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा छठ पूजा समितियों, एसोसिएशनों एवं श्रद्धालुओं को पर्व के सुचारु आयोजन के लिए हर संभव सहायता एवं सहयोग उपलब्ध कराया गया है। इससे श्रद्धालुओं में काफी प्रसन्नता है और वे पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ इस महापर्व को मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कृत्रिम जलाशयों एवं अस्थायी घाटों की व्यवस्था की गई है, जहां बड़ी संख्या में माताओं एवं बहनों सहित श्रद्धालुओं ने जल में खड़े होकर सूर्य देव की आराधना की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने श्रद्धालुओं के लिए 11 किलोमीटर लंबा छठ घाट बनाया है जो दर्शाता है कि इस बार भव्य व्यवस्था की गई है। इन व्यवस्थाओं से छठ व्रतियों को अपने आसपास ही पूजा-अर्चना करने की सुविधा मिली है।

महापौर प्रवेश वाही ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे छठ महापर्व की पवित्रता और स्वच्छता बनाए रखने में दिल्ली नगर निगम का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान उत्पन्न होने वाले कचरे को इधर-उधर न फेंकें तथा महापौर ने वहाँ उपस्थित लोगों को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग निर्धारित कूड़ेदानों में डालने का संकल्प भी दिलाया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ दिल्ली का निर्माण जनभागीदारी से ही संभव है और प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने में योगदान दे। इसके बाद महापौर ने रोहिणी के सेक्टर 07 में भी छठ घाट पहुंचकर श्रद्धालुओं के साथ पूजा अर्चना की।

दिल्ली में हेरोइन तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 2 किलो हेरोइन बरामद

नई दिल्ली। अपराध शाखा की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने दिल्ली समेत एनसीआर में हेरोइन की तस्करी और सप्लाई के नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें पति-पत्नी और पति का भाई भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार आरोपितों के कब्जे से कुल 2 किलो 250 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इसके अलावा 73,400 रुपये नकद, दो महिंद्रा थार, दो मोटरसाइकिल, एक स्कूटी और पांच मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। एएनटीएफ के नए अधिसूचित थाने में दर्ज यह पहली प्राथमिकी है।

अपराध शाखा के उपायुक्त गौरव गुप्ता के मुताबिक, 11 सितंबर की सुबह सूचना मिली थी कि रोहित दिवाकर अपनी पत्नी के साथ हेरोइन की सप्लाई करने सिग्नेचर ब्रिज से खजूरी खास की तरफ जाने वाला है। पुलिस टीम ने वजीराबाद रोड पर यू-टर्न के पास घेराबंदी कर रोहित, उसकी पत्नी और भाई विशाल को दो मोटरसाइकिलों के साथ पकड़ लिया। तलाशी में विशाल के बैग से दो किलो छह ग्राम हेरोइन बरामद हुई। जांच में सामने आया कि आरोपितों को हेरोइन की खेप गाजियाबाद के अफरोज अली को देनी थी। पुलिस ने 15 सितंबर को उसे उत्तराखंड के रुड़की स्थित एक गेस्ट हाउस से गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर शालीमार गार्डन स्थित फ्लैट से 104 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसके बाद 25 सितंबर को पुलिस ने ख्याला के चिराग को बुराड़ी से गिरफ्तार किया। उसके घर के पास बाथरूम में छिपाकर रखी गई 140 ग्राम हेरोइन और 37,400 रुपये मिले। जांच में पता चला कि चिराग पहले भी दो एनडीपीएस मामलों में आरोपित रहा है। पत्नी की बीमारी के आधार पर अंतरिम जमानत पर बाहर आने के बाद वह दोबारा नशे के कारोबार में शामिल हो गया था। वहीं, 10 नवंबर को गाजियाबाद के शालीमार गार्डन एक्सटेंशन से छठे आरोपित गौरव को गिरफ्तार किया गया।

छठ घाटों पर व्यवस्थाओं को लेकर देवेंद्र यादव ने भाजपा सरकार को घेरा, पूजा समितियों के सेवा और समर्पण को किया सलाम

सद्भावना टुडे, वरिष्ठ संवाददाता



नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रविवार, 15 नवंबर 2026 को दिल्ली के विभिन्न छठ घाटों का दौरा कर छठ महापर्व के अवसर पर व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उनके सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। साथ ही छठ घाटों पर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए दिल्ली की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। देवेंद्र यादव ने घाटों पर साफ-सफाई, स्वच्छ पानी, सुरक्षा, रोशनी, महिलाओं के लिए सुविधाओं तथा अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं में कथित कमियों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बड़े-बड़े दावे और प्रचार करने में व्यस्त रही, जबकि जमीनी स्तर पर श्रद्धालुओं को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष ने विभिन्न छठ पूजा समितियों और आयोजक समितियों की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पूजा समितियों ने अपने स्तर पर कड़ी मेहनत, सेवा भावना और समर्पण के साथ लाखों श्रद्धालुओं के लिए पूजा, साफ-सफाई, रोशनी, सुरक्षा तथा अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की। समितियों के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों का यह प्रयास उनकी आस्था और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचायक है। यादव ने कहा कि छठ महापर्व दिल्ली की सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का प्रतीक है। लाखों श्रद्धालु पूरी आस्था और निष्ठा के साथ इस पर्व को मनाते हैं। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह व्रतियों को स्वच्छ वातावरण, साफ पानी और सुरक्षित पूजा स्थल उपलब्ध कराए। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकारी दावों के बावजूद घाटों पर बुनियादी सुविधाओं में कई कमियां दिखाई दीं। उन्होंने भाजपा सरकार को नसीहत देते हुए कहा कि धार्मिक आयोजनों पर राजनीति और प्रचार करने के बजाय जनता को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर ध्यान देना चाहिए। छठ पूजा जैसे पवित्र पर्व पर श्रद्धालुओं की आस्था और स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। अंत में देवेंद्र यादव ने सभी छठ व्रतियों और दिल्लीवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए देश और दिल्ली में सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की।

एक नजर

पत्नी व बच्चों पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर आग लगाने का आरोप, बेटा झुलसा

फरीदाबाद। बाटा चौक स्थित रामनगर में एक महिला ने अपने पति पर सोते समय उस पर और बच्चों पर ज्वलनशील पदार्थ छिडक़कर आग लगाने का आरोप लगाया है। घटना में सात वर्षीय बेटा वंश झुलस गया, जिसे बीके अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़िता रेणु (35) ने बताया कि वह पिछले डेढ़ साल से पति से अलग चार बच्चों के साथ किराये के मकान में रह रही है। उसका आरोप है कि पति नशे का आदी है और पहले भी उसके साथ मारपीट कर चुका है। रविवार को वह अपने तीन बच्चों के साथ कमरे में सो रही थी, जबकि बड़ा बेटा काम पर गया हुआ था। आरोप है कि पति ने खिडक़ी से पर्दा हटाकर उन पर ज्वलनशील पदार्थ छिडक़ा और आग लगा दी। परिवार ने किसी तरह खुद को बचाया, लेकिन वंश के पैर झुलस गए।महिला का आरोप है कि पति पिछले तीन दिनों से उसके कमरे के आसपास आ रहा था और उसे जबरन अपने साथ रखना चाहता है। वहीं, संजय कॉलोनी चौकी इंचार्ज ने बताया कि पुलिस को मामले की जानकारी मिली है। आग लगाने में किस पदार्थ का इस्तेमाल हुआ, यह अभी स्पष्ट नहीं है। डॉक्टर की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुठभेड़ में दो गो-तस्कर ढेर, एक आरोपी व पुलिस कर्मी घायल

नूंह। नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में रविवार तड़के गो-तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस व गो-तस्करों के बीच मुठभेड़ हुई। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में दो आरोपियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य आरोपी और एक पुलिसकर्मी गोली लगने से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए नल्हड़ स्थित शहीद हसन खान मेवाती राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके से सात गोवंशों को मुक्त कराने के साथ तस्करी में इस्तेमाल की जा रही पिकअप गाड़ी और अवैध हथियार भी बरामद किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना सदर फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में रविवार सुबह करीब साढ़े चार बजे सीएस स्टाफ की टीम गो-तस्करी के खिलाफ कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान कथित गो-तस्करों और पुलिस टीम के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान हुई गोलीबारी में तीन आरोपी घायल हो गए। पुलिस तीनों को उपचार के लिए नल्हड़ मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंची, जहां उपचार के दौरान साबिर निवासी फोंदाबास बीवां और गब्बर उर्फ हाड़िया निवासी शालमपुर, राजस्थान की मौत हो गई। वहीं, ताहिर पुत्र अहमद निवासी घाटमीका, जिला डीग (राजस्थान) घायल है। इस दौरान एक पुलिसकर्मी भी गोली लगने से घायल हुआ है। घटना के बाद पुलिस ने मौके से राजस्थान नंबर की पिकअप गाड़ी बरामद की। पिकअप में सात गोवंश लदे हुए थे, जिन्हें पुलिस ने मुक्त कराया। इसके अलावा घटनास्थल से तीन देसी कट्टे 315 बोर, तीन जिंदा कारतूस और पांच खाली कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बरामद पिकअप, गोवंश और हथियारों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब मुठभेड़ के दौरान हुई गोलीबारी, घटनाक्रम और उससे जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों का गो-तस्करी और अवैध हथियारों से जुड़े मामलों में कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है या नहीं।

गोली मारकर महिला की हत्या, परिजनों ने किया हंगामा

नोएडा। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद के थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र के इंदिरापुरी कॉलोनी में शनिवार की देर रात को आपसी विवाद ने खूनी रूप ले लिया। अपने भाई के साथ हुई मारपीट का विरोध करने आरोपियों के घर पहुंची 33 वर्षीय महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। महिला के साथ आए अन्य लोगों के साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने आरोपियों घर में घुसकर तोड़फोड़ की। महिला भाई दूज पर अपने मायके रहने आई थी। बताया जाता है उसके भाई ने किसी घर के सामने लघुशंका की थी। इस बात को लेकर विवाद हुआ था। सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र मैं रहने वाले बाबूलाल की बेटी पूजा (33) की शादी नोएडा के दादरी निवासी नरेंद्र से हुई थी। उसकी दो बेटियां हैं। इन दोनों वह भाई दूज के त्यौहार की वजह से अपने मायके आई हुई थी। शनिवार रात उसका भाई अमन घर से करीब 50 मीटर दूर बैठा था। इसी दौरान डी ब्लॉक की दूसरी गली में रहने वाले कुछ युवक वहां पर पहुंचे, और किसी बात को लेकर अमन से उनका विवाद हो गया।

उसके साथ मारपीट की, और तमंचे की बट से हमला कर घायल कर दिया। इसकी जानकारी मिलने पर पूजा अपने मौसेरे भाई अमित और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ आरोपियों के घर शिकायत करने पहुंची। वहां दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान आरोपियों ने पूजा के सिर में गोली मार दी, तथा घर के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट की। घायल पूजा को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित पीड़ित पक्ष के लोगों ने आरोपियों के घर में पहुंचकर तोड़फोड़ की। वहां खड़ी कारों को भी तोड़ा। उन्होंने बताया कि मौके पर चार थाने की पुलिस पहुंची। लोगों को समझा-बुझाकर शांत करवाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आज शव का पोस्टमार्टम हो रहा है। घटना से क्षेत्र में तनाव व्याप्त है। भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

नशे के खिलाफ लड़ाई में सभी वर्ग साथ आएं : आरती सिंह राव

गुरुग्राम,एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि दवा विक्रेताओं का कार्य केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाजसेवा और जनस्वास्थ्य से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है। जब कोई दवा विक्रेता किसी जरूरतमंद को सही दवा उपलब्ध करवाता है, तो वह किसी व्यक्ति का जीवन बचाने के साथ एक परिवार की खुशियां सुरक्षित रखने में भी योगदान देता है। इसलिए दवा विक्रेताओं को अपनी व्यावसायिक जिम्मेदारी के साथ सामाजिक दायित्वों का भी पूरी ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए।



यह बात उन्होंने रविवार को गुरुग्राम में आयोजित राज्य स्तरीय औषधि सुरक्षा एवं नशामुक्ति जागरुकता कार्यक्रम में कही। सुरक्षित दवाएं, नशामुक्त समाज थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन गुरुग्राम केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन तथा हरियाणा ड्रग डीलर्स एसोसिएशन की ओर से किया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में केंद्र एवं हरियाणा सरकार देश और प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। देश की सबसे बड़ी ताकत युवा हैं, लेकिन नशे की लत युवाओं के भविष्य को प्रभावित करने के साथ पूरे परिवार को तोड़ देती है। नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को इसमें अपनी भागीदारी निभानी होगी। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने दवा विक्रेताओं से अपील की कि बिना वैध चिकित्सकीय प्रिस्क्रिप्शन के प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री न करें और दवाओं की खरीद-बिक्री में निर्धारित नियमों का पूरी सख्ती से पालन करें। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि नकली दवाओं के कारोबार तथा दवा क्षेत्र में भ्रष्ट गतिविधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने दवा विक्रेताओं से तीन महत्वपूर्ण संकल्प लेने का आह्वान किया। पहला-कोई भी दवा विक्रेता नियमों के विरुद्ध दवाओं की बिक्री नहीं करेगा। दूसरा-अपने प्रतिष्ठान पर उपलब्ध जागरूकता सामग्री और पोस्टर के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों तथा सुरक्षित दवाओं के उपयोग के प्रति जागरूक करेगा। तीसरा नशामुक्ति का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाकर इस अभियान को जनआंदोलन बनाने में सहयोग देगा। कार्यक्रम में खाद्य एवं औषधि प्रशासन हरियाणा के आयुक्त डॉ. मनोज यादव, स्टेट ड्रग्स कंट्रोलर रिपन मेहता, एएसडीसी राकेश दहिया एवं करण सिंह गोदारा, हरियाणा स्टेट फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार मनीष मित्तल, गुरुग्राम के सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र बसवाना सहित एफडीए के सभी एसडीसीओ एवं डीसीओ मौजूद रहे।

गुरुग्राम से कुरुक्षेत्र मॉक पार्लियामेंट में जा रहे गेस्ट टीचर्स को पुलिस ने हिरासत में लिया

गुरुग्राम। कुरुक्षेत्र में गेस्ट टीचर्स की मॉक पार्लियामेंट में रविवार को गुरुग्राम से जा रहे गेस्ट टीचर्स को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस ने उन्हें कुरुक्षेत्र नहीं जाने दिया। गेस्ट टीचर्स ने इस कार्रवाई का जमकर विरोध किया, लेकिन पुलिस प्रशासन ने उनकी एक नहीं सुनी। गेस्ट टीचर्स ने इस कार्रवाई को गलत, अलोकतांत्रिक और अव्यवहारिक करार दिया है। गेस्ट टीचर्स की मुख्य मांगों में सेवाओं को नियमित करना, नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करना, वेतन में बढ़ोतरी करना, ट्रांसफर पॉलिसी में पारदर्शिता लाना और हर साल अनुबंध नवीनीकरण की प्रक्रिया को खत्म करना शामिल है। गुरुग्राम से रविवार की सुबह कुरुक्षेत्र में मॉक पार्लियामेंट में भाग लेने के लिए बस में जा रहीं गेस्ट टीचर रितु कटारिया, विपिन यादव, रणजोत, अशोक, नरेंद्र भारद्वाज, शीतल, कुसुम, नम्रता, हेमलता, सीमा, दिनेश खटाना, विजयपाल, रेशपाल आदि ने बताया कि रविवार की सुबह पुलिस ने कई महिला और पुरुष टीचर्स को हिरासत में लिया।

लोकतंत्र ने हर किसी को अपनी मांगों को उठाने का अधिकार दिया है। वे कुरुक्षेत्र में मॉक पार्लियामेंट में जा रहे थे, लेकिन गुरुग्राम पुलिस ने उन्हें ना केवल रोका बल्कि घंटों तक हिरासत में भी रखा। सरकार के ईशारे पर की यह कार्रवाई न्यायसंगत नहीं है। हिरासत में लिए गए गेस्ट टीचर्स रितु कटारिया व अन्य का कहना है कि अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन में जाना उनका मौलिक अधिकार है, जिसका सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन हनन कर रहा है।

संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ता निभाएं अहम भूमिका: डॉ. अर्चना गुप्ता

गुरुग्राम,एजेंसी। रविवार को यहां भाजपा कार्यालय गुरुकमल में प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने भाजपा गुरुग्राम महानगर के कार्यालय का उद्घाटन किया। जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने हवन-यज्ञ में आहुति अर्पित कर पूजा-अर्चना की तथा संगठन की मजबूती और जनकल्याण की मंगलकामना की। अपने संबोधन में प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित, निष्ठावान और सक्रिय कार्यकर्ता हैं। कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास, अनुशासन और संगठन के प्रति समर्पण से ही पार्टी की विचारधारा तथा जनसेवा का संकल्प समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन गढ़े चलो, सुपथ पर बढ़े चलो के मंत्र को आत्मसात करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। समाज के प्रत्येक वर्ग से निरंतर संवाद स्थापित करने को प्रेरित किया। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यालय केवल बैठकों और प्रशासनिक गतिविधियों का स्थान नहीं, बल्कि संगठनात्मक समन्वय, कार्यकर्ताओं के बीच संवाद, विचार-विमर्श, योजना निर्माण और जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण केंद्र होता है। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण एवं उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं।

केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों तथा उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र प्रथम, अंत्योदय और जनसेवा भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक पहचान और संगठन की कार्य संस्कृति का मूल आधार है। कार्यकर्ता जितना अधिक जनता के बीच सक्रिय रहेगा, संगठन उतना ही अधिक सशक्त होगा। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री संगठन पवन राणा, गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा, सोहना विधायक तेजपाल तंवर, पटौदी विधायक बिमला चौधरी, गुरुग्राम महानगर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह, प्रदेश महामंत्री गोपाल शर्मा, वेद फुल्लां एवं सत्यप्रकाश जरावता, गुरुग्राम भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, जिला प्रभारी संदीप जोशी सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कृषि और चिकित्सा शोध के लिए विदेशों पर खत्म होगी निर्भरता

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे

ग्रेटर नोएडा। स्वदेशी की दिशा में बढ़ते कदम अब विज्ञान के क्षेत्र में भी तेजी से बढ़ रहे हैं। अब तक अनेक आणविक उपकरणों के लिए भारतीय शोधकर्ताओं को विदेशी स्रोतों और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध जीन कंस्ट्रक्ट पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के विज्ञानियों ने पांच अलग-अलग प्रकार के स्वदेशी सिंथेटिक जीन विकासित किए हैं। इन्हें भारत सरकार से पेटेंट भी मिल गया है। इन सिंथेटिक जीनों की सहायता से विज्ञानी डीएनए में लक्षित बदलाव करने वाले मालीक्यूलर टूल्स विकसित कर सकेंगे। साथ ही, किसी विशेष जीन की सक्रियता को बढ़ाने या घटाने तथा डीएनए के मूल अनुक्रम में बदलाव किए बिना उसकी अभिव्यक्ति को नियंत्रित करने वाले उपकरण भी तैयार किए जा सकेंगे।



जीन इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के विज्ञानियों के अनुसार अभी तक इस प्रकार के अनेक आणविक उपकरणों के लिए भारतीय शोधकर्ताओं को विदेशी स्रोतों और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध जीन कंस्ट्रक्ट पर निर्भर रहना पड़ता रहा है। इनकी अधिक लागत, सीमित उपलब्धता और अनुसंधान की आवश्यकता के अनुसार बदलाव करने में आने वाली कठिनाइयां शोध कार्यों को प्रभावित करती हैं। विश्वविद्यालय में विकसित स्वदेशी सिंथेटिक जीन इस निर्भरता को कम करने और देश में जीन इंजीनियरिंग अनुसंधान को अधिक सुलभ, किफायती और आवश्यकतानुसार अनुकूलित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकते हैं।

इन आविष्कारों को स्कूल आफ बायोटेक्नोलाजी के डा. विक्रांत नैन, डा. प्रदीप तोमर और सुमन ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। डा. विक्रांत नैन के अनुसार इन पांचों स्वदेशी आणविक उपकरणों का उपयोग कृषि जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी किया जा सकेगा। इनकी सहायता से विज्ञानी फसलों में रोग प्रतिरोधक क्षमता, सूखा एवं तापमान सहनशीलता, पोषण संबंधी गुणों और उत्पादकता से जुड़े जीनों में तय बदलाव और सक्रियता को नियंत्रित कर सकेंगे। उदाहरण के तौर पर हिमाचल प्रदेश की फसल को उत्तर प्रदेश और राजस्थान के मौसम के अनकूल तैयार करने में मददगार होगा। इससे भविष्य में ऐसी फसल किस्में विकसित करने के नए अवसर मिलेंगे, जो विभिन्न क्षेत्रों की जलवायु, मिट्टी और कृषि परिस्थितियों के लिए अधिक उपयुक्त होंगी। सिंथेटिक जीनों का महत्व केवल कृषि क्षेत्र तक सीमित नहीं है।

फरीदाबाद : युवती के शव ले जाने के लिए नहीं मिली एंबुलेंस, कूड़ा ढोने वाली गाड़ी में ले जाना पड़ा शव

फरीदाबाद। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुए सडक़ हादसे में मां-बेटी की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हादसे में जान गंवाने वाली 19 वर्षीय अंजलि का शव अस्पताल तक पहुंचाने के लिए परिजनों को एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। परिजनों का आरोप है कि काफी प्रयास करने के बावजूद अस्पताल से शव वाहन नहीं मिला, जिसके चलते उन्हें नगर निगम में पहले कूड़ा उठाने के काम में लगी गाड़ी से शव को बीके अस्पताल पहुंचाना पड़ा। जानकारी के अनुसार, बल्लभगढ़ के नवादा गांव निवासी राजकुमार 11 नवंबर को अपनी पत्नी अर्चना (40) और बेटी अंजलि (19) के साथ भाईदूज पर अलीगढ़ के टप्पल स्थित अपने ससुराल गए थे। शनिवार को तीनों बाइक से वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-2 कट के पास तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में अर्चना की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल अंजलि ने बल्लभगढ़ के सरकारी अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। राजकुमार का अस्पताल में उपचार चल रहा है। अंजलि के चाचा जीतू के अनुसार, अस्पताल में युवती की मौत के बाद उन्होंने कर्मचारियों से शव को बीके अस्पताल पहुंचाने के लिए वाहन मांगा, लेकिन उन्हें कोई मदद नहीं मिली। मजबूरी में उन्हें दूसरी गाड़ी की व्यवस्था करनी पड़ी। इस घटना के बाद शव को कूड़ा उठाने के काम में पहले इस्तेमाल की जा चुकी गाड़ी से ले जाने का मामला सामने आया है। वहीं, बल्लभगढ़ सरकारी अस्पताल के एसएमओ ने बताया कि अस्पताल के पास एक एम्बुलेंस है, लेकिन उसका इस्तेमाल शव ले जाने के लिए नहीं किया जाता। युवती की मौत के बाद शव शहर थाना क्षेत्र के एएसआई विनोद को सौंप दिया गया था। इसके बाद शव किस वाहन से बीके अस्पताल पहुंचा, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि वीडियो में दिखाई दे रही गाड़ी पीड़ित परिवार की अपनी है। यह गाड़ी पहले नगर निगम में कूड़ा उठाने के काम में लगी थी, लेकिन अब परिवार इसका निजी इस्तेमाल करता है। पुलिस के पहुंचने से पहले ही परिवार शव को बीके अस्पताल ले जा चुका था। पुलिस की ओर से शव को कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में नहीं भिजवाया गया।



सिटी पार्क की पार्किंग में मेला लगाने के लिए प्राधिकरण ने बदला नियम

ग्रेटर नोएडा। फुरसत के दो पल सुकुन से गुजारने की इकलौती सार्वजनिक जगह सम्राट मिहिर भोज सिटी पार्क है, के बाहर का पार्किंग एरिया अब मेला स्थल बन चुका है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अब इसे भी ई-नीलामी के माध्यम से किराये पर देने की तैयारी में हैं। अभी तक इसे पहले आओ, पहले पाओ और सांस्कृतिक, धार्मिक आयोजनों के लिए दिया जाता था।

दरअसल, ग्रेनो प्राधिकरण सम्राट मिहिर भोज सिटी पार्क के सामने मौजूद पार्किंग को मेला लगाने के लिए ई-नीलामी कराएगा। जो एजेंसी सबसे बड़ी बोली लगाएगी, उसी को यहां मेला लगाने की अनुमति मिलेगी। प्राधिकरण ने 23 नवंबर को ई-नीलामी की तारीख तय की है। इसके लिए 19 नवंबर तक आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। अभी तक मैन्युअल आवेदन के आधार पर अनुमति दी जाती थी। अब पारदर्शिता के नाम पर ई-नीलामी के जरिए आवंटन कराया जाएगा। पार्किंग की जगह को ही मेला लगाने के लिए दिया जाएगा।

नौकरी की आड़ में धर्मांतरण कराने में लगी चार महिलाएं गिरफ्तार

गुरुग्राम। स्थानीय पुलिस ने धर्मांतरण संबंधी गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में चार महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस थाना सेक्टर-56 की टीम ने गांव घाटा में रेड के दौरान चारों महिलाओं को मौके से काबू किया। सहायक पुलिस आयुक्त (सदर) कपिल अहलावत ने रविवार को बताया कि मौके से एक सीसीटीवी कैमरा व एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।

गिरफ्तार की गई महिलाओं की पहचान सुमन कुमारी (उम्र-21 वर्ष) पुत्री विनोद शाह निवासी कोसलपुरी आजादपुर दिल्ली, राजकुमारी चाओबा सिंह (उम्र-36 वर्ष) पुत्री राजकुमार चाओबा निवासी जिला विष्णुपुर मणिपुर (वर्तमान निवासी सेक्टर-86, गुरुग्राम), अशमिता चाहार (उम्र-35 वर्ष) पुत्री दलबहादुर निवासी नेपाल (वर्तमान निवासी कोटला दिल्ली) तथा ललनपुई (उम्र-31 वर्ष) पुत्री वी. ललपनलियाना निवासी आइजोल मिजोरम (वर्तमान निवासी द्वारका, दिल्ली) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार 14 नवंबर 2026 को एक व्यक्ति ने पुलिस थाना सेक्टर-56 की पुलिस टीम को शिकायत देकर कहा कि गांव घाटा में एसपीआर रोड स्थित सर्विस स्टेशन के नजदीक बनी झुग्गी-झोपडिय़ों एवं कच्चे कमरों में कुछ अज्ञात व्यक्ति व महिलाएं गरीब परिवारों के छोटे बच्चों के लिए निजी पाठशाला संचालित कर रहे हैं। आरोप था कि बच्चों को खाने-पीने की वस्तुएं एवं अन्य जरूरी सामान वितरित करने के साथ-साथ धर्मांतरण संबंधी गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं। उन लोगों द्वारा पाठशाला संचालित करके तथा खाने-पीने की वस्तुएं वितरित करके बच्चों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए थाना सेक्टर-56 की पुलिस टीम द्वारा एसएचओ सुखपाल के नेतृत्व में एक रेडिंग पार्टी तैयार की गई। गांव घाटा स्थित बताए गए स्थान पर रेड की गई। पुलिस टीम को मौके पर चार महिलाएं मिलीं, जिन्होंने पूछताछ के दौरान अपनी पहचान ललनपुई, अशमिता चाहार, राजकुमारी चाओबा सिंह एवं सुमन कुमारी के रूप में बताई।

अमेरिका से गिफ्ट भेजने का झांसा देकर महिला से 18 लाख ठगे, तीन गिरफ्तार

फरीदाबाद,एजेंसी। साइबर ठगों ने लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए अब नए-नए तरीके अपनाने शुरू कर दिए हैं। ऐसा ही एक मामला बल्लभगढ़ में सामने आया है, जहां अमेरिका से गिफ्ट भेजने का झांसा देकर एक महिला से 18 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। आरोपियों ने पहले इंस्टाग्राम के माध्यम से महिला से दोस्ती की और फिर कस्टम अधिकारी बनकर गिफ्ट छुड़वाने के नाम पर अलग-अलग शुल्क वसूलते रहे।

मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना बल्लभगढ़ की पुलिस टीम ने खाताधारक सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रिंकू, अभिषेक और पवन निवासी जिला बस्ती, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, बल्लभगढ़ निवासी महिला ने साइबर थाना बल्लभगढ़ में शिकायत दी कि 15 अक्टूबर 2026 को उसकी इंस्टाग्राम आईडी पर एक युवक की आईडी से मैसेज आया था। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई और उन्होंने एक-दूसरे के व्हाट्सएप नंबर भी ले लिए। बातचीत के दो-तीन दिन बाद युवक ने महिला को बताया कि उसने अमेरिका से उसके लिए एक गिफ्ट भेजा है। अगले दिन महिला के पास एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को मुंबई एयरपोर्ट का कस्टम अधिकारी बताते हुए कहा कि अमेरिका से उसके नाम का गिफ्ट आया है और उसे छुड़वाने के लिए 15 हजार रुपये टोकन मनी जमा करवानी होगी। इसके बाद कथित कस्टम अधिकारी ने अलग-अलग शुल्क और औपचारिकताओं का हवाला देकर महिला से कई बार रकम ट्रांसफर करवाई। इस तरह आरोपियों ने महिला से कुल 18 लाख रुपये अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से अपने खातों में डलवा लिए। ठगी का एहसास होने पर महिला ने पुलिस में शिकायत दी, जिसके आधार पर साइबर थाना बल्लभगढ़ में मामला दर्ज किया गया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी रिंकू खाताधारक है। उसने अपना बैंक खाता अभिषेक को दिया था और अभिषेक ने आगे यह खाता पवन को सौंप दिया।

शास्त्रार्थ में हराने वाले को बाबा ने किया 51 लाख व घोड़ा देने का ऐलान

फरीदाबाद। जिंदा पिता की श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर सुर्खियों में आए स्वामी राजेंद्र देव महाराज अब अश्वमेध यज्ञ की तर्ज पर देशभर में घोड़ा यात्रा निकालने की तैयारी कर रहे हैं। बाबा के अनुसार, 28 नवंबर को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के खैर स्थित इच्छापूर्ति धाम आश्रम से यात्रा शुरू होगी, जो 215 दिन तक विभिन्न राज्यों से गुजरते हुए 30 जून को दिल्ली में संपन्न होगी। बाबा ने धार्मिक विषयों पर शास्त्रार्थ की खुली चुनौती देते हुए ऐलान किया है कि जो भी उन्हें शास्त्रार्थ में पराजित करेगा, उसे घोड़े के साथ 51 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा।

उनका दावा है कि घोड़ा एक भक्त ने दान किया है और इनामी राशि भी भक्तों के सहयोग से जुटाई गई है। इस दौरान घोड़े को रोककर चुनौती देने वालों को शास्त्रार्थ करना होगा। फरीदाबाद के पन्हेड़ा कलां गांव निवासी राजेंद्र ने होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई के बाद नौकरी और कारोबार किया। वर्ष 2010 में उन्होंने साधु बनने का फैसला किया और स्वामी राजेंद्र देव महाराज नाम धारण कर लिया। करीब तीन साल बाद उन्होंने खैर में इच्छापूर्ति धाम आश्रम की स्थापना की। राजेंद्र देव इससे पहले 3 अगस्त 2025 को अपने 79 वर्षीय जीवित पिता लालचंद की श्रद्धांजलि सभा आयोजित करने को लेकर विवादों में आए थे। इस मामले में पिता ने बेटे पर जमीन अपने नाम करवाने, मारपीट करने और प्रताड़ित करने के आरोप लगाए थे। इसके बाद गांव में पंचायत हुई थी और राजेंद्र का बहिष्कार करने का फैसला लिया गया था। अब प्रस्तावित घोड़ा यात्रा और 51 लाख रुपये के इनाम के ऐलान को लेकर बाबा एक बार फिर चर्चा में हैं।



न्यायपालिका के फैसले तभी सार्थक, जब प्रशासनिक व्यवस्था निष्पक्ष और जवाबदेह हो



सैफुल्लाह सिद्दिकी
वरिष्ठ पत्रकार

किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की वास्तविक ताकत उसकी न्यायपालिका, प्रशासनिक व्यवस्था और कानून के प्रति नागरिकों के विश्वास में निहित होती है। लोकतंत्र केवल चुनाव कराने, सरकारें बनाने और कानूनों का निर्माण करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी असली पहचान इस बात से होती है कि आम नागरिक को न्याय, समानता, सुरक्षा और सम्मान का अधिकार कितनी प्रभावी ढंग से प्राप्त हो रहा है। यदि न्यायालयों में सुनवाई के बाद निर्णय तो सुनाए जाएं, लेकिन उन निर्णयों का प्रभाव आम आदमी के जीवन में दिखाई न दे, तो न्याय की मूल भावना अधूरी रह जाती है। आज देश के सामने एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या केवल न्यायिक फैसले सुनाए जाने से समाज में न्याय स्थापित हो सकता है? इसका उत्तर स्पष्ट है—नहीं। न्यायिक निर्णयों का वास्तविक महत्व तभी है, जब उनका निष्पक्षता और ईमानदारी के साथ पालन हो, प्रशासनिक अधिकारी कानून के दायरे में रहकर अपने दायित्व निभाएं और नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के न्याय मिले। जब तक प्रशासनिक व्यवस्था निष्पक्ष, पारदर्शी और सुदृढ़ नहीं होगी, तब तक न्यायपालिका के अनेक महत्वपूर्ण निर्णयों का अपेक्षित लाभ धरातल पर पहुंचाने में कठिनाइयां बनी रह सकती हैं।

न्याय और प्रशासन का आपसी संबंध

न्यायपालिका लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। उसका दायित्व संविधान और कानूनों की व्याख्या करना, नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना तथा विवादों का न्यायपूर्ण समाधान करना है। दूसरी ओर, प्रशासनिक व्यवस्था का दायित्व कानूनों और नीतियों को लागू करना, सरकारी सेवाओं को नागरिकों तक पहुंचाना तथा न्यायिक आदेशों का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अनुपालन सुनिश्चित करना है। इन दोनों संस्थाओं की भूमिकाएं अलग-अलग होते हुए भी एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हैं। न्यायपालिका किसी मामले में निर्णय देकर नागरिक को राहत प्रदान कर सकती है, लेकिन उस राहत को वास्तविक रूप देने के लिए संबंधित प्रशासनिक विभागों को समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई करनी पड़ती है। यदि प्रशासनिक स्तर पर अनावश्यक देरी, लापरवाही, पक्षपात या जवाबदेही की कमी हो, तो न्याय प्राप्त करने वाले व्यक्ति को भी अपने अधिकारों का लाभ हासिल करने के लिए लंबे संघर्ष से गुजरना पड़ सकता है। इसलिए आवश्यक है कि न्यायिक आदेशों का अनुपालन केवल औपचारिकता न बने, बल्कि उसके परिणामों की भी समीक्षा हो। यह देखा जाना चाहिए कि आदेश के बाद संबंधित व्यक्ति को राहत मिली या नहीं, समस्या का समाधान हुआ या नहीं और जिम्मेदार अधिकारियों ने अपने दायित्वों का निर्वहन किया या नहीं।

न्यायालय का फैसला और धरातल की वास्तविकता

अक्सर आम नागरिक को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए प्रशासनिक कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। किसी शिकायत के समाधान, संपत्ति संबंधी विवाद, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा, सरकारी सुविधाओं या अन्य नागरिक अधिकारों के मामले में प्रक्रिया लंबी होने पर व्यक्ति आर्थिक और मानसिक दबाव का सामना करता है। जब प्रशासनिक स्तर पर समाधान नहीं मिलता, तो कई लोगों के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाना अंतिम विकल्प बन जाता है। लेकिन यदि न्यायालय से राहत मिलने के बाद भी आदेश का पालन कराने के लिए बार-बार आवेदन देना पड़े, संबंधित कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ें या लंबे समय तक प्रतीक्षा करनी पड़े, तो न्याय की प्रक्रिया पर स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठते हैं। यह स्थिति केवल संबंधित व्यक्ति की परेशानी तक सीमित नहीं रहती, बल्कि शासन व्यवस्था की विश्वसनीयता को भी प्रभावित करती है। न्याय में देरी और न्यायिक आदेशों के अनुपालन में अनावश्यक विलंब के कारण नागरिकों का संस्थाओं पर विश्वास कमजोर हो सकता है। इसलिए न्यायिक प्रक्रिया की प्रभावशीलता का आकलन केवल फैसलों की संख्या से नहीं, बल्कि उनके निष्पक्ष अनुपालन और नागरिकों को मिलने वाली वास्तविक राहत से भी किया जाना चाहिए। हालांकि, प्रत्येक मामले में देरी के कारण अलग-अलग हो सकते हैं। कभी कानूनी प्रक्रिया, अपील या आदेश की व्याख्या से जुड़ी जटिलताएं सामने आती हैं, तो कभी प्रशासनिक समन्वय की कमी समस्या पैदा करती है। ऐसे में आवश्यक है कि प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार समाधान निकाला जाए और अनावश्यक देरी के लिए जवाबदेही तय की जाए।

निष्पक्ष प्रशासन लोकतंत्र की पहली शर्त

प्रशासनिक निष्पक्षता का अर्थ है कि कानून और सरकारी नियमों का पालन सभी नागरिकों के लिए समान रूप से हो। किसी व्यक्ति की आर्थिक स्थिति, सामाजिक प्रभाव, राजनीतिक संबंध या पद के आधार पर उसके साथ विशेष व्यवहार नहीं होना चाहिए। प्रशासनिक अधिकारियों के निर्णय कानून, उपलब्ध तथ्यों और निर्धारित प्रक्रियाओं के आधार पर होने चाहिए, न कि किसी बाहरी दबाव या व्यक्तिगत हित के आधार पर। यदि किसी सामान्य नागरिक को अपना वैध कार्य कराने के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ें, जबकि प्रभावशाली व्यक्तियों के काम प्राथमिकता से किए जाएं, तो यह व्यवस्था की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इसी प्रकार, यदि शिकायतों पर कार्रवाई करने में भेदभाव हो या जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के बावजूद कोई जवाबदेही तय न हो, तो सुशासन का उद्देश्य प्रभावित होता है। इस समस्या का समाधान केवल प्रशासनिक सुधारों की घोषणा करने से नहीं होगा। इसके लिए पारदर्शी कार्यप्रणाली, स्पष्ट जिम्मेदारियां, समयबद्ध सेवाएं, प्रभावी शिकायत निवारण और नियमों का समान अनुपालन आवश्यक है। अधिकारियों को अपने निर्णयों के लिए जवाबदेह बनाना होगा और नागरिकों को यह भरोसा देना होगा कि उनकी शिकायत को बिना किसी भेदभाव के सुना जाएगा।

भ्रष्टाचार और जवाबदेही की कमी से कमजोर होता है जनविश्वास

भ्रष्टाचार किसी भी व्यवस्था की कार्यक्षमता और विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाता है। जब किसी सरकारी सेवा या वैध कार्य के लिए अनुचित मांग, अनावश्यक बाधा अथवा सिफारिश की आवश्यकता महसूस होती है, तो आम नागरिक का व्यवस्था से विश्वास उठने लगता है। ऐसी परिस्थितियों में कानून का लाभ उन लोगों तक समय पर नहीं पहुंच पाता, जिन्हें उसकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है। प्रशासनिक जवाबदेही का अर्थ केवल अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगना नहीं है, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाना भी है जिसमें कार्यों की समयसीमा निर्धारित हो, निर्णयों का रिकॉर्ड उपलब्ध रहे, शिकायतों की निगरानी की जा सके और लापरवाही प्रमाणित होने पर नियमानुसार कार्रवाई हो। डिजिटल सेवाएं, ऑनलाइन शिकायत प्रणाली, सार्वजनिक सूचना, नियमित निरीक्षण और स्वतंत्र निगरानी व्यवस्था इस दिशा में उपयोगी कदम साबित हो सकते हैं। लेकिन तकनीक अपने आप में पर्याप्त नहीं है। यदि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजों पर कर दिया जाए और वास्तविक समस्या बनी रहे, तो डिजिटल व्यवस्था भी अपने उद्देश्य में सफल नहीं होगी। इसलिए परिणामों की जांच और नागरिकों से प्राप्त प्रतिक्रिया को महत्व देना आवश्यक है।

आम नागरिक को न्याय दिलाना शासन की प्राथमिकता हो

लोकतंत्र की सफलता इस बात से तय नहीं होती कि सत्ता के गलियारों में कितनी योजनाएं बनाई गईं, बल्कि इससे होती है कि उन योजनाओं और कानूनों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक कितना पहुंचा। गरीब, मजदूर, किसान, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग प्रशासनिक देरी और कानूनी प्रक्रिया की जटिलताओं से अधिक प्रभावित हो सकते हैं। इन वर्गों के लिए न्याय तक पहुंच आसान बनाना सरकार, प्रशासन और न्यायिक संस्थाओं की साझा जिम्मेदारी है। कानूनी सहायता की उपलब्धता, शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण, सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता और न्यायिक आदेशों का प्रभावी अनुपालन इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सरकारी कार्यालयों में नागरिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार, शिकायतों की उचित सुनवाई और निर्णयों के कारणों की स्पष्ट जानकारी भी सुशासन का हिस्सा है। प्रशासन का उद्देश्य नागरिकों को परेशान करना नहीं, बल्कि कानून के अनुसार उनकी समस्याओं का समाधान करना होना चाहिए। न्यायिक आदेशों के अनुपालन की प्रभावी निगरानी जरूरी! न्यायिक निर्णयों को प्रभावी बनाने के लिए यह आवश्यक है कि संबंधित विभाग आदेशों को गंभीरता से लें और निर्धारित समयसीमा के भीतर आवश्यक कदम उठाएं। जहां किसी आदेश का पालन संभव न हो या उसके क्रियान्वयन में कानूनी कठिनाई हो, वहां संबंधित विभाग को उचित कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। आदेशों की अनदेखी या बिना पर्याप्त कारण देरी को सामान्य प्रशासनिक व्यवहार नहीं माना जा सकता। इसके साथ ही, न्यायपालिका और प्रशासन के बीच आवश्यक संस्थागत समन्वय, आदेशों की स्पष्ट समझ और अनुपालन की निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए। जहां जानबूझकर अवमानना या गंभीर लापरवाही सामने आए, वहां कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। इसका उद्देश्य किसी संस्था पर अनुचित दबाव डालना नहीं, बल्कि संविधानसम्मत शासन और न्यायिक निर्णयों की गरिमा बनाए रखना है।

देश की उन्नति का रास्ता संस्थाओं की मजबूती से होकर गुजरता है

किसी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक विकास, बड़ी परियोजनाओं, आधुनिक तकनीक या बुनियादी ढांचे के विस्तार से नहीं मापी जा सकती। वास्तविक विकास तब होता है, जब नागरिक सुरक्षित महसूस करें, उन्हें समान अवसर मिलें, सरकारी सेवाएं समय पर उपलब्ध हों और कानून के समक्ष सभी को समान अधिकार प्राप्त हों। यदि विकास के दावों के साथ प्रशासनिक निष्पक्षता मजबूत नहीं होती, नागरिकों की शिकायतों का समाधान नहीं होता और न्यायिक निर्णयों का अपेक्षित लाभ लोगों तक नहीं पहुंचता, तो विकास का सामाजिक उद्देश्य अधूरा रह जाता है। आर्थिक उन्नति और सामाजिक न्याय एक-दूसरे के पूरक हैं। मजबूत संस्थाएं, जवाबदेह प्रशासन और स्वतंत्र न्यायपालिका किसी भी लोकतांत्रिक देश की दीर्घकालीन प्रगति के लिए अनिवार्य हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में संस्थाओं की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। यहां शासन व्यवस्था का प्रत्येक निर्णय करोड़ों नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर सकता है। इसलिए प्रशासनिक सुधारों को केवल विभागीय प्रक्रिया तक सीमित रखने के बजाय उन्हें नागरिकों के अधिकारों और जीवन की गुणवत्ता से जोड़कर देखा जाना चाहिए।

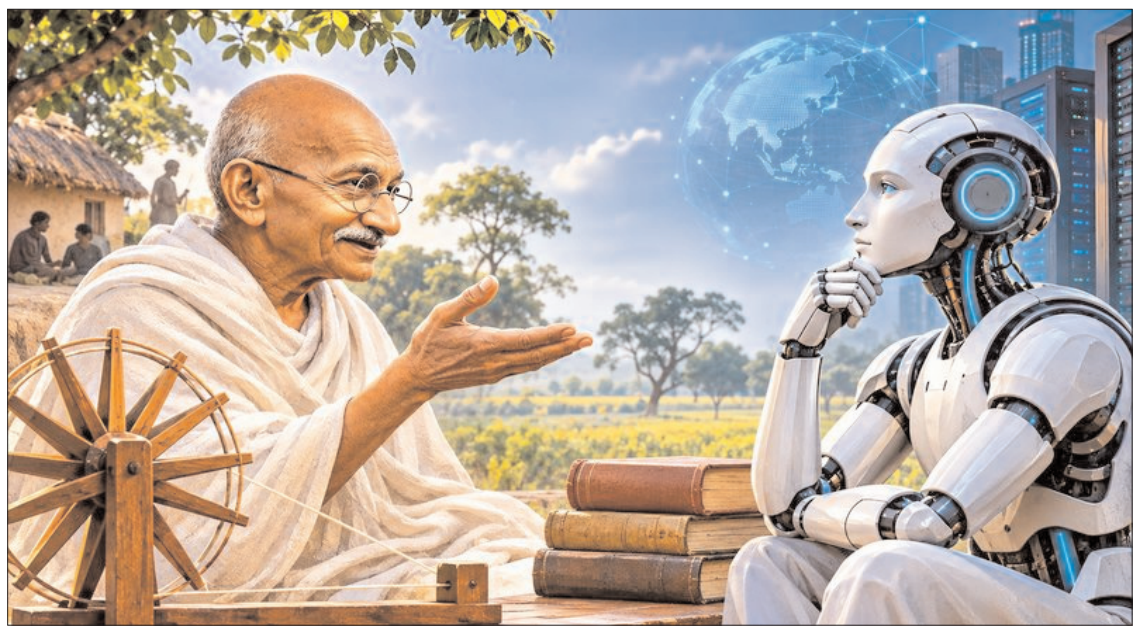
निष्कर्ष: फैसले कागजों पर नहीं, जीवन में दिखाई देने चाहिए

आज आवश्यकता इस बात की है कि देश में न्याय, प्रशासन और जवाबदेही को एक-दूसरे से अलग करके न देखा जाए। न्यायपालिका के फैसले लोकतंत्र को दिशा देते हैं, प्रशासनिक व्यवस्था उन्हें लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और नागरिकों का विश्वास इन दोनों की कार्यप्रणाली की वास्तविक कसौटी है। जब तक प्रशासनिक व्यवस्था निष्पक्ष, पारदर्शी और सुदृढ़ नहीं होगी, तब तक न्यायिक फैसलों का पूरा लाभ धरातल पर पहुंचाने में बाधाएं बनी रह सकती हैं। इसलिए न्यायिक निर्णयों का समयबद्ध अनुपालन, प्रशासनिक अधिकारियों की जवाबदेही, भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा को शासन की प्राथमिकताओं में शामिल करना आवश्यक है। देश की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब न्याय केवल अदालतों के निर्णयों में नहीं, बल्कि आम नागरिक के जीवन में भी दिखाई दे। जब कानून का पालन बिना भेदभाव हो, प्रशासन जनता के प्रति जवाबदेह बने और न्याय पाने के बाद नागरिक को अपने अधिकारों के लिए दोबारा संघर्ष न करना पड़े, तभी लोकतंत्र की मूल भावना साकार होगी। याद रखना होगा कि न्यायपालिका का फैसला न्याय की दिशा निर्धारित करता है, लेकिन उस न्याय को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में निष्पक्ष प्रशासन की भूमिका निर्णायक होती है। इसलिए मजबूत लोकतंत्र, न्यायपूर्ण समाज और विकसित राष्ट्र का निर्माण केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि कानून के निष्पक्ष अनुपालन, संस्थागत ईमानदारी और जनहित के प्रति वास्तविक प्रतिबद्धता से संभव है।

गांधीजी ने 'यंग इंडिया' में ऐसे ही प्रश्नों पर विचार करते हुए सात पापों की सूची दी थी। उनमें से तीन आज के एआई-दौर में एकदम सटीक प्रतीत होते हैं: मानवता के बिना विज्ञान, नैतिकता के बिना व्यापार और चरित्र के बिना ज्ञान। मानवता के बिना विज्ञान वह है, जब तकनीक की होड़ इस सवाल को पीछे छोड़ दे कि उसका असर सबसे कमजोर व्यक्ति पर क्या होगा। नैतिकता के बिना व्यापार वह है, जब लोगों का डेटा, ध्यान (अटेंशन) और निजता (प्राइवेसी) मुनाफे का कच्चा माल बन जाएं। और चरित्र के बिना ज्ञान वह है, जब हर प्रश्न का उत्तर एक क्लिक पर मिले, लेकिन उसे परखने का विवेक न बचे। गांधीजी के लिए सत्य ही ईश्वर था। एआई-युग में सत्य पर दोहरा संकट है। एक ओर डीपफेक हैं, जिनमें किसी का भी चेहरा और आवाज बनाकर सच का झांसा या आभास देने वाला झूठ गढ़ा जा सकता है। दूसरी ओर चैटबॉट हैं, जो कभी-कभी पूरे आत्मविश्वास से ऐसे तथ्य और संदर्भ रच देते हैं, जो हकीकत में होते ही नहीं हैं। डीपफेक और चैटबॉट का 'मतिभ्रम' सत्य पर हमला है। इनमें से एक से जान-बूझकर झूठ गढ़ा जा सकता है, दूसरे से मशीन के जरिए अनजाना असत्य पैदा किया जा सकता है। गांधी का सत्याग्रह यह सबक देता है कि सत्य की रक्षा केवल कानून से नहीं, नागरिक के आग्रह से होती है, यानी हर सूचना को परखने, स्रोत पूछने और झूठ को आगे नहीं बढ़ाने के आग्रह से। अहिंसा की कसौटी पर भी एआई के कई सवालों को परखा जा सकता है।

एआई के सवाल और बापू के जवाब

डॉ. संजय वर्मा



गांधीजी ने चरखे को केवल सूत कातने का यंत्र नहीं, आत्मनिर्भरता और गरिमा का प्रतीक बनाया था। एआई भी केवल एक यंत्र या तकनीक है। वह हमें निर्भर, विभाजित और प्रकृति-विरोधी बनाएगी या आत्मनिर्भर, समावेशी और संयमी—यह मशीन नहीं, हमारा विवेक तय करेगा। एआई पर दुनिया हरकत में है। एक तरफ अवसर हैं, दूसरी तरफ संकट। अवसर तकनीक से पैदा हुई तेजी का है, समस्या उसी तकनीक से सत्य, पहचान, नकल और रोजी-रोजगार को लेकर पैदा होते संकट की है। डीपफेक से लेकर छिनती नौकरियों और प्यासे डेटा सेंटरों तक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने जो दिक्कतें खड़ी की हैं, उनका इलाज केवल कानूनों में नहीं, उन मूल्यों में भी है, जिन्हें समाज ने, दूरदर्शी मार्गदर्शकों ने और सुधारकों ने दशकों या शायद सदियों पहले गढ़ा था। जैसे गांधीजी ने मशीनी सभ्यता को लेकर जो कुछ कहा था, ऐसा लगता है कि एआई के इस दौर में वैसे ही सवाल हमारे सामने हैं। तो क्या गांधी-दर्शन एआई की समस्याओं का हल भी है? आम धारणा है कि महात्मा गांधी मशीनों के धुर विरोधी थे। 1909 में 'हिंद स्वराज' में उन्होंने मशीनी सभ्यता की तीखी आलोचना की थी और चरखा उनकी पहचान बन गया था। पर यह आधा सच है। 1925 में उन्होंने 'यंग इंडिया' में साफ लिखा कि उनका ऐतराज मशीन से नहीं, मशीन के प्रति उन्माद से है। उसी लेख में उन्होंने सिलाई-मशीन को उन उपयोगी चीजों में गिना था, जिनका आविष्कार काम को सरल और बेहतर करने के क्रम में हुआ था। गांधी की चिंता यह थी कि मशीन किसके हित में चलती है। क्या वह मनुष्य का हित करती है या उसे बेकार, आश्रित और शोषित बनाती है? आज, जब एआई निबंध और शोध-पत्र लिख रही है, रोगों की पहचान कर रही है, फसल चक्र का सटीक अनुमान लगा रही है और चेहरे, आवाजें, वीडियो तक गढ़ रही है, गांधी का यही दर्शन पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है। एआई कोई साधारण मशीन या तकनीक नहीं है। वह ऐसा पहला औजार है, जो हाथ के साथ-साथ दिमाग के काम में दखल दे रहा है। इसलिए उसके प्रति न तो अंधी आस्था ठीक है, न ही अंधा भय। जरूरत एक कसौटी बनाने की है, जिसमें गांधी के विचार काम आ सकते हैं।

गांधीजी ने 'यंग इंडिया' में ऐसे ही प्रश्नों पर विचार करते हुए सात पापों की सूची दी थी। उनमें से तीन आज के एआई-दौर में एकदम सटीक प्रतीत होते हैं: मानवता के बिना विज्ञान, नैतिकता के बिना व्यापार और चरित्र के बिना ज्ञान। मानवता के बिना विज्ञान वह है, जब तकनीक की होड़ इस सवाल को पीछे छोड़ दे कि उसका असर सबसे कमजोर व्यक्ति पर क्या होगा। नैतिकता के बिना व्यापार वह है, जब लोगों का डेटा, ध्यान (अटेंशन) और निजता (प्राइवेसी) मुनाफे का कच्चा माल बन जाएं। और चरित्र के बिना ज्ञान वह है, जब हर प्रश्न का उत्तर एक क्लिक पर मिले, लेकिन उसे परखने का विवेक न बचे। गांधीजी के लिए सत्य ही ईश्वर था। एआई-युग में सत्य पर दोहरा संकट है। एक ओर डीपफेक हैं, जिनमें किसी का भी चेहरा और आवाज बनाकर सच का झांसा या आभास देने वाला झूठ गढ़ा जा सकता है। दूसरी ओर चैटबॉट हैं, जो कभी-कभी पूरे आत्मविश्वास से ऐसे तथ्य और संदर्भ रच देते हैं, जो हकीकत में होते ही नहीं हैं। डीपफेक और चैटबॉट का 'मतिभ्रम' सत्य पर हमला है। इनमें से एक से जान-बूझकर झूठ गढ़ा जा सकता है, दूसरे से मशीन के जरिए अनजाना असत्य पैदा किया जा सकता है। गांधी का सत्याग्रह यह सबक देता है कि सत्य की रक्षा केवल कानून से नहीं, नागरिक के आग्रह से होती है, यानी हर सूचना को परखने, स्रोत पूछने और झूठ को आगे नहीं बढ़ाने के आग्रह से। अहिंसा की कसौटी पर भी एआई के कई सवालों को परखा जा सकता है। युद्ध में स्वायत्त हथियार, जो संकेत या निर्णय के लिए इंसानी दखल का इंतजार भी न करें, गांधी-दर्शन के हिसाब से सबसे बड़ा नैतिक प्रश्न होते। पर हिंसा केवल शारीरिक नहीं होती। किसी महिला की नकली और अश्लील छवि बनाना, ऑनलाइन उत्पीड़न या पक्षपाती एल्गोरिद्म से किसी को जरूरी कर्ज या नौकरी से वंचित करना भी हिंसा के ही रूप हैं, भले ही उसमें रक्त न बहे। और प्रकृति के प्रति हिंसा भी तब इसी श्रेणी में आती है, जब विशाल डेटा सेंटर भारी बिजली और पानी की खपत करें। वह भी तब, जब शहर, गांव-कस्बे पीने के पानी को तरस रहे हों। स्वराज गांधी के लिए सिर्फ राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं था, बल्कि वह आत्म-नियंत्रण का उपाय भी था। आज की तकनीक का कारोबारी मॉडल अक्सर हमारे ध्यान पर कब्जा करने पर टिका है। इसमें अंतहीन स्क्रॉल, लगातार सूचनाएं और ऐसे एआई-सहायक (एजेंट) बनाने पर जोर है, जो सोचने की मेहनत से ही छुटकारा दिलाते हैं। विद्यार्थी अगर हर उत्तर मशीन से लें, तो अभ्यास की गति भले बढ़ जाए, लेकिन समझ (मेधा) का अंतत: पतन ही होगा। अपने मन-मस्तिष्क पर नियंत्रण हासिल करना एआई-युग का सबसे कठिन और जरूरी स्वराज है। राष्ट्र के स्तर पर स्वदेशी का अर्थ है भारतीय भाषाओं और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप एआई, न कि हर समाधान के लिए बाहरी निर्भरता। इसी तरह, गांधी का ट्रस्टीशिप (न्यासिता) संबंधी विचार कहता है कि धनी व्यक्ति अपनी संपत्ति का स्वामी नहीं, समाज की ओर से उसका ट्रस्टी (न्यासी) है।

एआई के युग में सबसे बड़ी संपत्ति डेटा और कंप्यूटिंग की ताकत है, जो कुछ गिनी-चुनी कंपनियों और देशों के पास सिमटती जा रही है। लोगों की आवाजों, चित्रों और शब्दों से बने और प्रशिक्षित हुए एआई पर समाज का हक होना चाहिए। उसके फायदे भी उन लोगों तक पहुंचने चाहिए, जिनके डेटा से वह बना है। गांधीजी शारीरिक श्रम को सम्मान और महत्व देते थे। उनकी व्यवस्था में उत्पादन जन-समूह के हाथों से हो, केवल विशाल कारखानों से नहीं। एआई इधर जब क्लर्की और दफ्तरी कामों को बदल रहा है, तब सवाल यह है कि बचा हुआ समय और लाभ किसके हिस्से में जाएगा। क्या श्रमिक को नया कौशल और सम्मानजनक काम मिलेगा, या वह हाशिये पर धकेल दिया जाएगा? गांधी-दर्शन हमें एआई से मुंह मोड़ने को नहीं कहता है। वर्ष 1929 में उनसे जुड़े अखिल भारतीय चरखा संघ ने एक बेहतर, हल्का और अधिक उत्पादक चरखा बनाने पर एक लाख रुपये के पुरस्कार की घोषणा की थी, जो उस समय बहुत बड़ी रकम थी। गांधीजी नवाचार के विरोधी नहीं थे, लेकिन मंशा यह थी कि नवाचार गांव, गरीब और श्रमिक के काम आए। संतुलन के लिए गांधीजी ने अपने अंतिम दिनों में एक 'जंतर' दिया था। इसमें उन्होंने सूत्रबद्ध विचार पिरोते हुए कहा था कि जब भी संदेह हो, सबसे गरीब और कमजोर का चेहरा याद करो और खुद से पूछो कि तुम्हारा अगला कदम उसके लिए कितना उपयोगी होगा। इस जंतर को चार व्यावहारिक सवालों में बदला जा सकता है, जिन पर हर एआई प्रणाली को परखा जाए। पहला, क्या यह तकनीक अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती है—उसकी भाषा में, उसके साधनों में? दूसरा, क्या यह सत्य और पारदर्शिता का सम्मान करती है, यानी क्या लोग यह जान सकते हैं कि निर्णय मशीन ने लिया और क्यों? तीसरा, क्या यह मनुष्य के स्वराज को बढ़ाती है या उसकी निर्भरता को, यानी क्या यह सोचने में मदद करती है या फिर विवेक और सोच-समझ की प्रक्रिया को कुंद करती है? चौथा, इसकी कीमत प्रकृति और श्रमिक ने कितनी चुकाई है? भारत के एक नागरिक के तौर पर हमारे पास इन सवालों को केंद्र में रखने का अवसर भी है और नैतिक अधिकार भी। जिस देश ने दुनिया को अहिंसा और सत्याग्रह का विचार दिया, वह एआई के युग में 'मानव-केंद्रित' तकनीक का सबसे विश्वसनीय स्वर बन सकता है, बशर्ते हम खुद इन कसौटियों पर खरे उतरें।

विचार

लोकतंत्र में लोकसेवकों की राजशाही मानसिकता

विश्वनाथ सचदेव

लगभग दस साल पुरानी बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के आरा में एक चुनावी रैली में जनता से पूछा था, 'बताइए, कितने का पैकेज दूं?' और फिर खुद ही बोली लगाने वाले अंदाज़ में उन्होंने साठ हज़ार करोड़, सत्तर हज़ार करोड़ कहते हुए सवा लाख करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। दूसरे दिन अख़बारों के पहले पन्ने पर बड़े-बड़े अक्षरों में छपा था—प्रधानमंत्री ने बिहार की जनता को सवा लाख करोड़ रुपये की सौगात दी। यह पहली बार नहीं था, जब किसी प्रधानमंत्री ने इस तरह की सौगात देने की घोषणा की थी, और न ही यह आख़िरी बार थी। इसके बाद तो प्रधानमंत्री की तर्ज़ पर सौगात बांटने का यह नुस्खा राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी अपना लिया। अख़बारों में और टीवी पर बड़े-बड़े विज्ञापन देकर इस 'सौगात' की घोषणा की जाती है। ये विज्ञापन देखकर कई बार तो लगता है कि जनता को सौगात देने से ज़्यादा राशि इस घोषणा के विज्ञापनों पर खर्च हो जाती होगी! प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्री द्वारा अपने देश या राज्य की जनता को इस तरह के आर्थिक अनुदान देने और इसकी घोषणा करने में कुछ नया नहीं है। कुछ ग़लत भी नहीं है, सिवाय इसके कि यह राशि, जिसे सौगात कहकर प्रचारित किया जाता है, प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्रियों के किसी निजी खाते से नहीं बांटी जाती। तो फिर इसे इस तरह भुनाने की कोशिश क्यों होती है? था कोई राजे-महाराजाओं का ज़माना, जब शासक अपनी प्रजा को ख़ैरात बांटा करते थे। अब न कोई किसी का शासक है और न ही कोई किसी की प्रजा। हमारा भारत अब एक गणतंत्र है, जिसमें कुर्सी पर भले ही कोई बैठा हो, पर असली शासक जनता ही होती है। हर नागरिक का एक वोट है और हर वोट की कीमत समान है—वोट चाहे राजा का हो या फ़कीर का! लेकिन आरा में प्रधानमंत्री द्वारा सौगात देने की उस घोषणा और जिस तरह आज राज्यों के मुख्यमंत्री ख़ैरात बांटने की घोषणाएं करते हैं तथा जनता के हक़ की राशि को 'सौगात' कहा जाता है, उससे लगता है कि हमारे वोट से सत्ता संभालने का अधिकार पाने वाले हमारे 'शासक' शायद स्वयं को राजा-महाराजाओं जैसा शासक ही मानने लगे हैं। हाल ही में दशहरे के अवसर पर एक भूतपूर्व राजा ने राजाओं जैसी वेशभूषा पहनकर शायद यही दिखलाना चाहा था कि वे अब भी राजा हैं! देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने स्वयं को जनता का सेवक बताया था। अब भी प्रधानमंत्री और मंत्री स्वयं को जनता का सेवक तो बताते हैं, पर उनकी सोच और व्यवहार उन राजाओं जैसा ही दिखता है, जो स्वयं को अपनी प्रजा का पालक मानते थे।

राजधानी दिल्ली में कई-कई एकड़ में फैले मंत्रियों के बंगले भी इसी बात की गवाही देते हैं कि जनतांत्रिक देश के ये नए शासक स्वयं को राजाओं जैसा ही देखते-समझते हैं। इसीलिए ख़ैरात बांटते हैं, सौगात देते हैं! केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को दी जाने वाली राशि अथवा मुख्यमंत्रियों द्वारा राज्य की जनता के विकास के लिए खर्च की जाने वाली राशि जनता का अधिकार है। इसलिए, जब कोई शासक जनता से पूछता है कि बोलो, कितने पैसे दूं, और फिर इस दी गई राशि को 'सौगात' कहकर प्रचारित करता है, तो यह बात छिपी नहीं रहती कि उसकी मानसिकता वही राजा-महाराजाओं वाली है, जो यह मानते थे कि उन्हें ईश्वर ने शासन करने के लिए ही भेजा है। इन नए राजाओं के पास राजमहल भले ही न हों, पर वे अपने आवास को महलों जैसा अवश्य समझते हैं और वैसा ही बनाना चाहते हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार जब दिल्ली में बनी थी, तो मुख्यमंत्री के लिए जो आवास बनाया-सजाया गया था, उसे 'शीशमहल' ही कहा जाने लगा था। जब इन नए शासकों के काफ़िले सड़क पर चलते हैं, तो अजीब-सा नज़ारा बन जाता है। आठ-दस कारों का काफ़िला लेकर चलते हैं हमारे मंत्री। सायरन बजाती उनकी कारें जब निकलती हैं, तो पदयात्री तो घबरा ही जाते हैं! लोकतंत्र में जनता अपना शासक चुनती है। यह चुनाव होता भले ही शासन करने के लिए है, पर अपेक्षा यह होती है कि हमारा यह चुना हुआ प्रतिनिधि शासक की तरह नहीं, बल्कि सेवक की तरह जनता के हित में काम करेगा। सच्चाई यह भी है कि हमारे ये नए शासक कहते तो यही हैं कि वे जनता के सेवक हैं, पर उनकी सोच और मानसिकता इसके विपरीत ही दिखाई देती है। चुनावी सभाओं में की जाने वाली घोषणाएं और ख़ैरात बांटना हमारे शासकों की मानसिकता को ही दर्शाता है। हमारे चुने हुए प्रतिनिधि अच्छे ढंग से रहें और उन्हें उचित एवं समुचित साधन उपलब्ध हों, इससे किसी को इनकार नहीं होगा। पर जब ये प्रतिनिधि राजशाही वाले शासकों की मानसिकता के साथ जीने लगते हैं, तो उन्हें यह कहने का मन तो करता ही है कि आप राजा नहीं हैं, जनता के सेवक हैं। आपसे एक ईमानदार सेवक की तरह काम करने की अपेक्षा है। टीवी चैनलों और अख़बारों में बड़े-बड़े (महंगे) विज्ञापन देकर हमारे ये प्रतिनिधि जब यह अहसास कराते हैं कि विकास के लिए दी गई राशि उनकी कृपा का फल है, तो हैरानी भी होती है और क्षोभ भी।

एक नजर

छठी मैया के गीतों से भक्तिमय हुआ सात पोखरी का पूर्वी तट, भास्कर महोत्सव में बिखरी लोक संस्कृति की छटा



सहरसा। लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार सरकार तथा सहरसा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में सात पोखरी के पूर्वी तट पर आयोजित दो दिवसीय भास्कर महोत्सव के प्रथम दिन रविवार को सांध्यकालीन कार्यक्रम में आस्था और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। छठ की पारंपरिक आस्था, लोक संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा। महोत्सव का विधिवत शुभारंभ डीआइजी कुमार आशीष, जिलाधिकारी दीपेश कुमार, नगर निगम की मेयर बैनप्रिया एवं पूर्व मंत्री आलोक रंजन सहित अन्य अतिथियों ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों ने छठ महापर्व की धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बनारस, भागलपुर सहित विभिन्न स्थानों से आए कलाकारों एवं स्थानीय कलाकारों ने छठ के पारंपरिक गीतों और लोक संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। महोत्सव का विशेष आकर्षण कला एवं संस्कृति पदाधिकारी स्नेहा झा की गायकी रही। उन्होंने अपनी सुमधुर आवाज में छठी मैया के गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं और दर्शकों को भावविभोर कर दिया। भास्कर महोत्सव के माध्यम से छठ की लोक परंपराओं और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को एक मंच पर प्रस्तुत किया गया। आयोजन ने धार्मिक आस्था के साथ-साथ लोक संस्कृति के संरक्षण और सामाजिक एकजुटता का संदेश भी दिया।

छठ बाद यात्रियों की भीड़ कम करने के लिए रेलवे चलाएगा दो अनारक्षित स्पेशल ट्रेनें, सीवान में होगा ठहराव

सीवान। पूर्वोत्तर रेलवे की ओर से जारी सूचना के अनुसार, ट्रेन संख्या 05063 छपरा-आनंद विहार टर्मिनल अनारक्षित स्पेशल 16 नवंबर को छपरा से रवाना होगी। यह ट्रेन रात 21:50 बजे सीवान जंक्शन पहुंचेगी और दो मिनट के ठहराव के बाद 21:52 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 05064 आनंद विहार टर्मिनल-छपरा अनारक्षित स्पेशल 17 नवंबर को आनंद विहार से चलेगी। यह ट्रेन सीवान जंक्शन पर दोपहर 14:40 बजे पहुंचेगी और पांच मिनट के ठहराव के बाद 14:45 बजे छपरा के लिए रवाना होगी। इस ट्रेन में सामान्य श्रेणी के 18 कोच और दो एसएलआरडी सहित कुल 20 कोच लगाए जाएंगे। इसका परिचालन विद्युत इंजन से होगा। ट्रेन छपरा, सीवान, हथुआ, थावे, तमकुही रोड, पडरौना, कप्तानगंज, गोरखपुर, बस्ती, गोंडा, सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद और गाजियाबाद सहित निर्धारित स्टेशनों पर रुकेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 05748 न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर अनारक्षित त्योहार विशेष का परिचालन 16 नवंबर को एकल यात्रा के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन न्यू जलपाईगुड़ी से शाम 16:45 बजे प्रस्थान करेगी। किशनगंज, बारसोई, कटिहार, खगड़िया, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर और छपरा होते हुए अगले दिन सुबह 6:05 बजे सीवान जंक्शन पहुंचेगी। यहां दो मिनट के ठहराव के बाद 6:07 बजे गोरखपुर के लिए रवाना होगी। गोरखपुर से बस्ती, गोंडा, सीतापुर, मुरादाबाद, सहारनपुर, अंबाला कैंट, लुधियाना, जालंधर सिटी और ब्यास होते हुए तीसरे दिन रात 21:30 बजे अमृतसर पहुंचेगी। इस ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी के 20 कोच, एक एसएलआरडी और एक सामान्य द्वितीय श्रेणी कुर्सीयान सहित कुल 22 कोच लगाए जाएंगे। रेलवे के इस फैसले से छठ के बाद घर से वापस लौटने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

बहंगी में बच्चे को लेकर छठ घाट पहुंचीं व्रती, सिरसांव मठिया में दिखी वर्षों पुरानी परंपरा की झलक



सीवान। आधुनिकता के बढ़ते प्रभाव के बीच भी लोक आस्था के महापर्व छठ की पुरानी परंपराएं आज भी गांवों में जीवंत हैं। इसकी एक खूबसूरत झलक दरौंदा प्रखंड के सिरसांव मठिया छठ घाट पर देखने को मिली। यहां एक छठव्रती अपने छोटे बच्चे को पारंपरिक बहंगी में लेकर घाट पहुंचीं। वर्षों पुरानी इस परंपरा का दृश्य देखते ही घाट पर मौजूद लोगों की निगाहें ठहर गईं। किसी ने इसे मां की ममता और आस्था का प्रतीक बताया, तो किसी ने इसे ग्रामीण संस्कृति की अनमोल विरासत करार दिया। छठ घाट पर व्रतियों और श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच बहंगी में बच्चे को लेकर पहुंचने का दृश्य खास आकर्षण बना रहा। इस अनूठी परंपरा को देखने और अपने मोबाइल कैमरे में कैद करने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई। कुछ देर के लिए यह दृश्य घाट पर चर्चा का विषय बन गया। इस दौरान पारंपरिक छठ गीत 'कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए...' की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। महिलाओं के सामूहिक गीत, सूप और दउरा में सजे पूजन सामग्री तथा अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने पहुंचे श्रद्धालुओं की आस्था ने घाट की छटा और मनमोहक बना दी। ग्रामीणों का कहना था कि समय के साथ पूजा-पद्धति और आयोजन के तौर-तरीकों में बदलाव जरूर आया है, लेकिन बहंगी जैसी परंपराएं आज भी लोकजीवन में अपनी जगह बनाए हुए हैं। सिरसांव मठिया घाट पर दिखी यह झलक नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का संदेश भी देती नजर आई। दरअसल, छठ महापर्व की खूबसूरती केवल कठिन व्रत और सूर्य उपासना तक सीमित नहीं है। इसमें मां की ममता, परिवार का जुड़ाव, लोकगीतों की मिठास और पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं का भी अनूठा संसार समाहित है। सिरसांव मठिया घाट पर बहंगी में बच्चे को लेकर पहुंचीं व्रती ने इसी लोक संस्कृति की एक ऐसी तस्वीर पेश की, जिसने श्रद्धालुओं के बीच गहरी छाप छोड़ी।

बिहार में श्रद्धा और उल्लास के साथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य, छठ घाटों पर उमड़ा जनसैलाब

सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न होगा चार दिवसीय महापर्व

पटना। लोक आस्था और सूर्योपासना के महापर्व छठ के तीसरे दिन रविवार को बिहार में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। व्रतियों ने पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान राजधानी पटना सहित राज्य के विभिन्न जिलों के छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पारंपरिक छठ गीतों, दीपों की रोशनी और छठी मैया के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए व्रती दिनभर निर्जला उपवास रखने के बाद शाम को परिवार के सदस्यों के साथ छठ घाटों पर पहुंचे। उनके हाथों में पूजा सामग्री से सजे दउरा और सूप थे। इनमें मौसमी फल, ठेकुआ, नारियल, गन्ना और अन्य पारंपरिक प्रसाद रखे गए थे।



घाटों पर पहुंचने के बाद व्रतियों ने नदी, तालाब और अन्य जलाशयों में खड़े होकर डूबते सूर्य को दूध और पवित्र जल से अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान उन्होंने भगवान सूर्य और छठी मैया से परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य, खुशहाली और संतान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच परिवार के सदस्य भी पूरे उत्साह से पूजा में शामिल हुए। जगह-जगह छठ के पारंपरिक गीत गूंजते रहे। पूजा स्थलों पर दीपों की जगमगाहट और सजे हुए घाटों ने पर्व की छटा को और आकर्षक बना दिया। छठ महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पारिवारिक एकजुटता, सामाजिक सहयोग, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और लोक परंपराओं के संरक्षण का भी प्रतीक है। इस पर्व में स्वच्छता, अनुशासन, संयम और सामूहिक सहभागिता का विशेष महत्व है। यही वजह है कि छठ के अवसर पर गांवों से लेकर शहरों तक लोग एकजुट होकर घाटों की साफ-सफाई और पूजा की तैयारियों में जुटते हैं। चार दिवसीय छठ महापर्व के अंतिम दिन सोमवार की सुबह व्रती एक बार फिर छठ घाटों पर पहुंचेंगे। वहां उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के साथ चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन अनुष्ठान का समापन होगा। सुबह का अर्घ्य देने के बाद व्रती पारण करेंगे और निर्जला उपवास पूरा करेंगे। इसके साथ ही लोक आस्था के इस महापर्व का विधिवत समापन हो जाएगा।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्टीमर से किया गंगा के छठ घाटों का भ्रमण, व्रतियों को दी शुभकामनाएं

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को छठ महापर्व के अवसर पर दानापुर के नासरीगंज घाट से गायघाट तक स्टीमर से गंगा नदी के विभिन्न छठ घाटों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने छठव्रतियों और प्रदेशवासियों को महापर्व की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने पहुंचे श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया और राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।



छठ के तीसरे दिन गंगा नदी के विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। व्रतियों ने अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार और समाज की खुशहाली की कामना की। घाटों के भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं का उत्साह देखा। घाटों पर मौजूद लोगों ने हाथ उठाकर मुख्यमंत्री का अभिवादन किया, जिसका उन्होंने हाथ जोड़कर जवाब दिया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी छठ महापर्व के दौरान लगातार घाटों का भ्रमण कर व्रतियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे हैं। उनके निर्देश पर प्रशासन की ओर से छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन ने व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए विशेष प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर एक बार फिर पूरे प्रदेशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं और भगवान सूर्य से सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री के घाट भ्रमण के दौरान सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, सांसद रविशंकर प्रसाद, सांसद डॉ. भीम सिंह, विधायक श्याम रजक, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव पंकज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नवगछिया में खरना का प्रसाद खाकर लौट रहे पूर्व मुखिया पर ताबड़तोड़ फायरिंग

भागलपुर। लोक आस्था के महापर्व छठ के बीच नवगछिया पुलिस जिले के कदवा थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम देकर इलाके में सनसनी फैला दी है। खैरपुर कदवा पंचायत के पूर्व मुखिया अजय कुमार सिंह (55) पर शनिवार शाम पहले से घात लगाए बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। पेट, गले, हाथ और कंधे में चार गोलियां लगने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए बेगूसराय रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पचगछिया टोला कदवा निवासी पूर्व मुखिया अजय सिंह शनिवार शाम गांव के ही सेवानिवृत्त नेवीकर्मी वकील प्रसाद मधुकर के घर से खरना का प्रसाद ग्रहण कर अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। शाम करीब 4:30 बजे जैसे ही वे पकड़वासा और कासिमपुर गांव के बीच पहुंचे, रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे अपराधियों ने उन्हें रोककर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजन के मुताबिक, पहली गोली लगते ही वे बाइक समेत अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पानी भरी खाई में जा गिरे। इसके बावजूद हमलावरों का दुस्साहस कम नहीं हुआ और उन्होंने खाई के पास उतरकर उन पर तीन और गोलियां दाग दीं। गोलियों की तड़तड़ाहट सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके की ओर दौड़े। ग्रामीणों को आता देख अपराधी भागने लगे, लेकिन स्थानीय लोगों ने साहस और तत्परता दिखाते हुए दो आरोपियों को खदेड़कर पकड़ लिया और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मोहन सिंह और आशीष कुमार के रूप में हुई है। ग्रामीणों की मदद से लहूलुहान पूर्व मुखिया को तत्काल नवगछिया अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उन्हें बेगूसराय रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कदवा थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। प्रारंभिक जांच में पुलिस इस जानलेवा हमले को पुरानी आपसी रंजिश से जोड़कर देख रही है। चर्चा है कि इस घटना के तार बीते 13 अक्टूबर को कदवा क्षेत्र में हुई ज्योतिष कुमार की हत्या से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस हिरासत में लिए गए दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि वारदात में शामिल अन्य अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। पर्व के माहौल के बीच हुई इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने सपरिवार भगवान सूर्य को अर्पित किया अर्घ्य

पटना,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने छठ महापर्व के अवसर पर रविवार को पटना स्थित अपने आवास 3, टेलर रोड पर सपरिवार अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने छठी मइया से बिहार सहित देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस दौरान पूरा आवासीय परिसर भक्तिमय और आध्यात्मिक वातावरण में सराबोर रहा।

नितिन नवीन ने इस अवसर पर कहा कि यह हर्ष और गौरव का विषय है कि युवा पीढ़ी भी छठ महापर्व पूरी श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मना रही है। नई पीढ़ी का इस पर्व की परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक मान्यताओं को आत्मसात करना हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन का सुखद संकेत है। लोक आस्था का यह महापर्व अब देश की सीमाओं को पार कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि रविवार को अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर नमन किया गया है। सोमवार सुबह उदयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही महापर्व का विधिवत समापन होगा। छठ की विशिष्ट परंपरा है कि इसमें अस्त होते और उदित होते, दोनों स्वरूपों में भगवान सूर्य की उपासना की जाती है। यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, समानता, अनुशासन और लोककल्याण का संदेश देता है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि बिहारवासी देश और दुनिया के जिस भी कोने में हैं, वे पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ छठ महापर्व मना रहे हैं। यह पर्व हमारी सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक एकता और पारिवारिक परंपराओं का प्रतीक है। साथ ही, यह देश-विदेश में बसे बिहारवासियों को अपनी मिट्टी और संस्कृति से जोड़ता है। इस पावन अवसर पर उन्होंने छठी मइया से प्रार्थना की कि बिहार सहित देश के सभी नागरिक स्वस्थ और निरोग रहें। सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे, चहुंमुखी विकास हो तथा देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे। उन्होंने समस्त देशवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।



सारण में आम लोगों की तरह सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने दिया भगवान भास्कर को दिया अर्घ्य

सारण,एजेंसी। लोक आस्था का महान पर्व छठ की गूंज इन दिनों पूरे देश और दुनिया में है। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में जहा आम लोग सूर्य भगवान की आराधना में लीन रहता है, वहीं राजनीति के गलियारों से भी लोक आस्था की अनूठी और प्रेरणादायक तस्वीरें सामने आती हैं। इसी कड़ी में महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने एक बार फिर अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक जड़ों का परिचय देते हुए लोक आस्था के इस महापर्व छठ को पूरी श्रद्धा, निष्ठा और समर्पण के साथ संपन्न कर रहे है। इस पावन अवसर पर उन्होंने अस्ताचल गामी भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और क्षेत्र के साथ-साथ पूरे देश की सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्यता की मंगल कामना की।

हिन्दुस्थान समाचार न्यूज़ एजेंसी से बातचीत के दौरान सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने अपने जीवन से जुड़े छठ महापर्व के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि वे पिछले 30 वर्षों से लगातार और नियमित रूप से छठ व्रत करते आ रहे हैं। उनके लिए यह पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान या औपचारिकता नहीं है, बल्कि अनुशासन, आत्मसंयम, पवित्रता और प्रकृति के प्रति अटूट विश्वास का एक जीवंत प्रतीक है। सांसद सिग्रीवाल ने बातचीत के दौरान पुरानी यादों को ताजा करते हुए बताया कि उन्होंने जिस सादगी और निर्मल भाव के साथ अपने जीवन में पहली बार छठ पूजा की थी, आज भी वे



उसी सादगी के साथ इस व्रत को करते हैं। सत्ता और राजनीतिक पद होने के बावजूद उनके जीवन में कोई दिखावा नहीं आया है। उन्होंने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरी तन्मयता के साथ अपने पैतृक ग्राम बनियापुर प्रखंड के भूमियारा गांव से पैदल ही अपने माथे पर प्रसाद से भरा दौड़ा (बांस की टोकरी) उठाया और पारंपरिक तरीके से नदी घाट तक की यात्रा पूरी की। इसके बाद उन्होंने संध्या अर्घ्य दिया और कल प्रात:कालीन अर्घ्य देकर भगवान भास्कर की विधिवत आराधना करेंगे। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि एक सांसद और जनप्रतिनिधि होने के बावजूद वे छठ महापर्व के इन चार दिनों में अपने सारे राजनीतिक प्रोटोकॉल और प्रशासनिक सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से दरकिनार कर देते हैं। उन्होंने सुरक्षा में तैनात कर्मियों को भी यह स्पष्ट निर्देश दे रखे होते हैं कि इन पावन दिनों में उन्हें पूरी तरह शालीन और आम नागरिक की तरह रहना है, ताकि किसी भी अन्य व्रती या आम इंसान को पूजा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। घाट पर पहुंचने पर वे किसी वीआईपी की तरह नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवेश के एक सामान्य और समर्पित व्रती की भूमिका में नजर आते हैं।

वर्षों पुरानी परंपराओं का निर्वहन करते हुए वे ग्रामीण परिवेश में पूरी विधि-विधान के साथ इस कठिन व्रत को पूरा करते हैं। अंत में उन्होंने बताया कि किसी भी कठिन व्रत को अनुशासन के साथ पूरा करने में परिवार की भूमिका अहम होती है। सांसद सिग्रीवाल बताते हैं कि इस व्रत में उनका पूरा परिवार तन-मन से सहयोग करता है। यही नहीं, उनके परिवार के अन्य सदस्य भी इस पावन पर्व पर छठ व्रत रखते हैं, जिससे पूरे घर का माहौल पूरी तरह से आध्यात्मिक हो जाता है।

विक्रमशिला सेतु पर यातायात बाधा से छठ बाजार में महंगाई का तड़का, डेढ़ हजार तक पहुंची केले की घौद

भागलपुर। लोक आस्था के महापर्व छठ के दौरान शहर के प्रमुख बाजारों में खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ रही है, लेकिन विक्रमशिला सेतु पर चल रहे मरम्मत कार्य और यातायात बाधित होने का सीधा असर फलों और पूजन सामग्री की कीमतों पर पड़ा है। गंगा पार स्थित नवगछिया और खरीक के केला उत्पादक क्षेत्रों से सीधा सड़क संपर्क बाधित होने के कारण किसानों और व्यापारियों को नावों तथा जलमार्ग के सहारे माल ढुलाई करनी पड़ रही है, जिससे परिवहन खर्च में भारी इजाफा हुआ है। नवगछिया और खरीक का केला स्थानीय छठ बाजार की रीढ़ माना जाता है। पुल पर आवाजाही बंद होने से एक ओर जहां खेतों में तैयार फसल को मंडी तक पहुंचाने में किसानों का समय और श्रम बढ़ गया है, वहीं दूसरी ओर खुदरा बाजार में आम लोगों का बजट गड़बड़ा गया है। दो दिन पहले तक जो केला 25 से 30 रुपये दर्जन बिक रहा था, वह अब बाजार में 60 से 70 रुपये दर्जन और खुदरा में 15 रुपये प्रति पीस तक पहुंच गया है। वहीं, केले की पूरी घौद (खानी) 1,000 से 1,500 रुपये में बिक रही है। केले के साथ-साथ छठ पूजा के अन्य प्रमुख फलों और सामग्रियों के दाम भी आसमान छू रहे हैं। बांका के अमरपुर से आने वाला गन्ना 40-50 रुपये से बढ़कर 60 रुपये प्रति पीस तक बिक रहा है, जबकि सिंघाड़ा 80 से 100 रुपये प्रति किलो के भाव पर पहुंच गया है। कश्मीर से आया सेब 100 से 120 रुपये किलो, नागपुर का संतरा 80 से 120 रुपये किलो और नासिक का अनार 200 से 220 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। केरल से मंगाए गए नारियल की कीमत 120 से 150 रुपये प्रति जोड़ा तक पहुंच गई है। वहीं, स्थानीय कारीगरों द्वारा तैयार बांस का



सूप 180 से 200 रुपये जोड़ा और डालिया 200 से 300 रुपये प्रति पीस बिक रही है। कीमतों में इस अप्रत्याशित उछाल के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। वेरायटी चौक, खलीफाबाग, तिलकामांझी और स्टेशन चौक के बाजारों में सुबह से देर रात तक रौनक बनी हुई है। स्थानीय व्यापारिक संगठनों और मंडी कारोबारियों के अनुमान के मुताबिक, महंगाई के बावजूद इस वर्ष छठ महापर्व के दौरान भागलपुर जिले में फल, किराना, कपड़ा और पूजन सामग्री को मिलाकर लगभग 45 करोड़ रुपये के कुल कारोबार की उम्मीद है।

एक नजर

गोंडा में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद मंडल की टीम घोषित

मुरादाबाद,एजेंसी। जिला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन गोंडा मे 17 नवंबर से 23 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रदेश के सभी 18 मण्डल प्रतिभाग करेंगे, उक्त प्रतियोगिता के लिये मण्डल की टीम का चयन निर्धारित तिथि को किया गया था, जिसमें चयनकर्ता के रूप मे मुहम्मद नासिर कमाल, माधुरी देवी, आमिर मिर्ज़ा, सुरेन्द्र पाल सिंह, खेल निदेशालय से क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार, अंशकालिक फुटबॉल कोच सचिन विश्नोई रहे। नासिर कमाल ने रविवार रात्रि विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पंजीयन उपरांत आज मण्डल की टीम घोषित की जा रहीं है जिसमें जाने आलम, रोहित चौहान, लक्ष्य वर्मा, रय्यान खान, मोरीश खान, विशाल सागर, गणेश कुमार, अमन मालिक, अभय कुमार, कशिश मसीह, शाह नूर खान, शांतनु ठाकुर, शांतनु मुदगल, मुहम्मद फरहान, मुहम्मद एहसान, राहुल भहुगुणा, कोच सचिन विश्नोई के अलावा अतिरिक्त खिलाडी शाहय उमम, निखिल कुमार, सूरज कुमार शामिल है।

प्रयागराज में होने वाली इंदिरा मैराथन में पंजीकरण की अंतिम तिथि 17 नवंबर



मुरादाबाद,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद प्रयागराज में 19 नवंबर को 41वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन का आयोजन किया जाएगा। इसमें देश और प्रदेश के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय धावक प्रतिभाग करेंगे। प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग की फुल मैराथन (42.195 किमी.) और हाफ मैराथन (21.097 किमी.) दौड़ होगी। इच्छुक खिलाड़ियों के लिए पंजीकरण कराने में एक दिन शेष बचा है, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 17 नवंबर हैं। मुरादाबाद जनपद के क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ के तत्वावधान में क्षेत्रीय खेल कार्यालय प्रयागराज और जिला प्रशासन की ओर से आयोजित मैराथन की शुरुआत ऐतिहासिक स्थल आनंद भवन से सुबह 6:30 बजे होगी। धावक शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए मदन मोहन मालवीय स्टेडियम पहुंचकर दौड़ पूरी करेंगे। फुल मैराथन के विजेता को दो लाख रुपये, उपविजेता को एक लाख और तीसरे स्थान पर रहने वाले धावक को 75 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा 11 सांत्वना पुरस्कार के रूप में 10-10 हजार रुपये मिलेंगे। हाफ मैराथन में प्रथम पुरस्कार 51 हजार, द्वितीय 21 हजार और तृतीय पुरस्कार 11 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। इसमें तीन सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। क्रीड़ाधिकारी ने आगे बताया कि मुरादाबाद मंडल के इच्छुक पुरुष और महिला खिलाड़ी वेबसाइट http://indiramarathon.co.in पर 17 नवंबर तक पंजीकरण करा सकते हैं। प्रतिभागियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। खिलाड़ियों को बैंक का नाम, खाता संख्या व आईएफएससी कोड की जानकारी भी लानी होगी।

सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के 37 साल पूरे होने पर बचपन की यादगार तस्वीर को जीवंत किया



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के 37 साल पूरे होने पर अपने बचपन की एक यादगार तस्वीर को जीवंत किया। उन्होंने अपने पहले क्रिकेट बल्ले को हाथ में लेकर बचपन की उसी प्रतिष्ठित तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा किया। सचिन ने 15 नवंबर, 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ कराची में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उस समय उनकी उम्र 16 साल और 205 दिन थी। वह कई वर्षों तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी रहे। हालांकि, इस साल वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड में टी-20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करते हुए 15 साल और 99 दिन की उम्र में उनका यह रिकॉर्ड तोड़ दिया। सचिन के क्रिकेट सफर को याद करते ही प्रशंसकों के जेहन में बचपन की वह तस्वीर उभरती है, जिसमें लंबे बालों वाले नन्हे सचिन हाथ में बल्ला थामे गेंद का सामना करने के लिए तैयार नजर आते हैं। यह तस्वीर उनके बचपन की प्रतिभा से लेकर क्रिकेट के महानतम खिलाड़ियों में शामिल होने तक के सफर की याद दिलाती है। अब 53 साल की उम्र में सचिन ने उसी बल्ले को हाथ में लेकर उस तस्वीर को फिर से जीवंत किया। उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा, 'पहले बल्ले की बात है, 49 साल बाद भी मेरे साथ है! सचिन तेंदुलकर को अपने दौर का सबसे संपूर्ण बल्लेबाज और क्रिकेट इतिहास का सबसे सफल रन बनाने वाला खिलाड़ी माना जाता है। उनके नाम टेस्ट और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट, दोनों प्रारूपों में सर्वाधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड है। खास बात यह है कि उन्होंने अपना पहला एकदिवसीय शतक 79वें मुकाबले में बनाया था। सचिन ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 34,357 रन बनाए, जो क्रिकेट इतिहास में किसी भी बल्लेबाज से अधिक हैं। उन्होंने 200 टेस्ट मुकाबले खेले, जो इस प्रारूप में किसी भी खिलाड़ी के सर्वाधिक हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 15,921 रन, 51 शतक और 2,058 चौके दर्ज हैं। वह 300 पारियों में 15 हजार टेस्ट रन पूरे करने वाले सबसे तेज बल्लेबाज भी हैं। एकदिवसीय क्रिकेट में सचिन ने 463 मुकाबलों में 44.83 की औसत से 18,426 रन बनाए। इस प्रारूप में उनके नाम 49 शतक और 96 अर्धशतक हैं। उन्होंने मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में शुरुआत की और बाद में दुनिया के महानतम एकदिवसीय बल्लेबाजों तथा सलामी बल्लेबाजों में अपनी जगह बनाई।

भारत ने न्यूजीलैंड को पांचवें वनडे में 22 रन से हराया, सीरीज पर 3-1 से किया कब्जा

माउंट माउंगानुई,एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को पांचवें और निर्णायक वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड को 22 रन से हराकर श्रृंखला अपने नाम कर ली। बे ओवल में खेले गए कम स्कोर वाले रोमांचक मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 42.1 ओवर में 209 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 48.1 ओवर में 187 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही भारत ने न्यूजीलैंड की धरती पर तीसरी बार एकदिवसीय श्रृंखला जीतने का गौरव हासिल किया। इससे पहले भारतीय टीम ने 2009 और 2018-19 में यहां वनडे श्रृंखला जीती थी। भारत की जीत में अर्शदीप सिंह ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 30 रन देकर तीन विकेट लिए। अक्षर पटेल ने 28 रन देकर दो विकेट झटके, जबकि मोहम्मद सिराज ने 50 रन देकर दो विकेट हासिल किए। औकीब नबी, यश ठाकुर और नमन धीर को एक-एक सफलता मिली। न्यूजीलैंड की ओर से डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने सर्वाधिक 31 रन बनाए। अर्शदीप सिंह को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच व गुरनूर बरार को सीरीज में 9 विकेट हासिल करने के लिए मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया।

210 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत संभली हुई रही। टिम सीफर्ट और विल यंग ने शुरुआती दो ओवर सावधानी से खेले, लेकिन मोहम्मद सिराज ने पांचवें ओवर में सीफर्ट को 14 रन के निजी स्कोर पर मिड-ऑन पर कैच करा दिया। न्यूजीलैंड का पहला विकेट 26 रन पर गिरा। इसके बाद विल यंग और निक केली ने पारी को आगे बढ़ाया। यंग 42 गेंदों पर 22 रन बनाकर अर्शदीप सिंह की गेंद पर ऋतुराज गायकवाड़ को कैच दे बैठे। 64 रन पर दूसरा विकेट गिरने के बाद निक केली और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने पारी संभालने की कोशिश की। अर्शदीप ने 22 रन बनाने वाले केली और फिन एलन को लगातार दो ओवरों में आउट कर न्यूजीलैंड को 83 रन पर चार झटके दे दिए। इसके बाद फॉक्सक्रॉफ्ट और माइकल ब्रेसवेल ने पांचवें विकेट के लिए संघर्ष किया। दोनों ने टीम का स्कोर 116 रन तक पहुंचाया। औकीब नबी ने ब्रेसवेल को 19 रन पर आउट किया, जबकि यश ठाकुर ने 42 गेंदों पर 31 रन बनाने वाले फॉक्सक्रॉफ्ट को पवेलियन भेज दिया।



न्यूजीलैंड का स्कोर 119 रन पर छह विकेट हो गया। कप्तान मिचेल सैंटनर और क्रिस्टियन क्लार्क ने इसके बाद पारी को संभालते हुए टीम का स्कोर 155 रन तक पहुंचाया। नमन धीर ने 24 रन बना चुके सैंटनर को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। इसके बाद अर्शदीप ने क्लार्क को 16 रन पर आउट कर अपना तीसरा विकेट हासिल किया। अक्षर पटेल ने जैकब डफी को विराट कोहली के हाथों कैच कराकर न्यूजीलैंड को नौवां झटका दिया। डफी ने नौ रन बनाए। अंतिम दो ओवर में न्यूजीलैंड को जीत के लिए 23 रन की जरूरत थी। अक्षर पटेल ने ब्लेयर टिकनर को 14 रन पर आउट कर मेजबान टीम की पारी 187 रन पर समाप्त कर दी।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आठवें संस्करण का लोगो और शुभंकर जारी, 11 से 22 दिसंबर तक तेलंगाना में होगा आयोजन

नई दिल्ली। तेलंगाना में 11 से 22 दिसंबर तक आयोजित होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आठवें संस्करण का लोगो और शुभंकर रविवार को जारी किया गया। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने संयुक्त रूप से इसका अनावरण किया। प्रतियोगिता राज्य के छह शहरों में आयोजित होगी, जिसमें करीब आठ हजार खिलाड़ियों और प्रतिभागियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। इस अवसर पर डॉ. मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं को खेलों से जोड़ने और देश के विकास की व्यापक सोच में खेलों को महत्वपूर्ण स्थान देने पर विशेष जोर दिया है। केंद्र सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। खेलो इंडिया अभियान के तहत युवा खेलों, बीच गेम्स, शीतकालीन खेलों और जनजातीय खेलों जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिससे कि अधिक से अधिक युवाओं को खेलों में भाग लेने का अवसर मिल सके। मांडविया और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आयोजन के लिए प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और सहयोग के प्रति आभार जताया। खेल मंत्री ने कहा कि केंद्र और तेलंगाना सरकार मिलकर युवाओं को खेल अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगी और देश में मजबूत खेल संस्कृति विकसित करने की दिशा में काम करेंगी।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स जैसे आयोजन विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा की प्रधानमंत्री की परिकल्पना को साकार करने में मददगार हैं। ऐसे आयोजन युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन और अन्य सामाजिक चुनौतियों से दूर रहकर सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आठवें संस्करण का आयोजन हैदराबाद, खम्मम, करीमनगर, हनमकोंडा, महबूबनगर और निजामाबाद में किया जाएगा। प्रतियोगिता में कुल 29 खेल शामिल होंगे, जिनमें 27 प्रतिस्पर्धी और दो प्रदर्शन खेल होंगे। प्रतिस्पर्धी खेलों में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, साइकिलिंग, तलवारबाजी, फुटबॉल, गतका, जिम्नास्टिक, हॉकी, जूडो, कबड्डी, कलरिपयट्टु, खो-खो, मल्लखंब, रोइंग, निशानेबाजी, तैराकी, सॉफ्टबॉल, टेबल टेनिस, टेनिस, थांग-ता, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और योगासन शामिल हैं।

70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता: उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, जम्मू-कश्मीर और केरल ने बनाई सेमीफाइनल में जगह

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले में चल रही 70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता आयु वर्ग-19 बालक 2026-27 के अंतर्गत रविवार को विभिन्न खेल मैदानों पर रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में बिहार एवं जम्मू-कश्मीर ने जीत दर्ज की, जबकि क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, जम्मू-कश्मीर एवं केरल की टीमों ने अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

रविवार को रूद्र मैदान गाडरवारा में खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बिहार ने वेस्ट बंगाल को 35 रनों से हराया। बिहार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 154 रन बनाए। जवाब में वेस्ट बंगाल की टीम 119 रन पर ऑलआउट हो गई। बिहार के कुमार शान ने 4 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं, कौड़िया मैदान पर खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल में जम्मू-कश्मीर ने महाराष्ट्र को 19 रनों से पराजित किया। जम्मू-कश्मीर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 176 रन बनाए। जवाब में महाराष्ट्र की टीम 157 रन पर ऑलआउट हो गई। जम्मू-कश्मीर के करणवीर को मैन ऑफ द मैच चुना गया। क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में एनटीपीसी मैदान पर उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ को 7 विकेट से हराया। चंडीगढ़ की टीम ने 85 रन बनाए, जिसके जवाब में उत्तर प्रदेश ने 15 ओवर में 3 विकेट खोकर 86 रन बनाकर जीत हासिल की। उत्तर प्रदेश के राहुल यादव ने 44 रनों की शानदार पारी खेली और मैन ऑफ द मैच बने। रूद्र मैदान पर खेले गए दूसरे क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु ने बिहार को 5 विकेट से हराया। बिहार की टीम 99 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में तमिलनाडु ने 17.1 ओवर में 5 विकेट खोकर 101 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। तमिलनाडु के यशराज को मैन ऑफ द मैच चुना गया। बोहानी स्थित राघव कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान पर जम्मू-कश्मीर ने पंजाब को 11 रनों से पराजित किया। जम्मू-कश्मीर ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 172 रन बनाए। प्रदीप ने 49 रनों की पारी खेली। जवाब में पंजाब की टीम 161 रन पर ऑलआउट हो गई। जम्मू-कश्मीर की जीत में अजितेश ने 3 विकेट हासिल किए।

इंजरी टाइम में गोल कर चनमारी एफसी ने डेम्पो को 2-1 से हराया, सत्र की पहली जीत दर्ज

मडगांव,एजेंसी। चनमारी एफसी ने स्टार सीमेंट इंडियन फुटबॉल लीग 2026-27 में रविवार को रोमांचक मुकाबले में डेम्पो एससी को 2-1 से हराकर सत्र की पहली जीत दर्ज की। पीजेएन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चनमारी ने पिछड़ने के बाद वापसी की और इंजरी टाइम के पहले मिनट में ललथानजुआला के गोल की बदौलत पूरे तीन अंक हासिल किए। डेम्पो ने तीसरे मिनट में लक्ष्मिनराव राणे के गोल से बढ़त बना ली थी। चनमारी के आर. रामदिंथारा ने 23वें मिनट में बराबरी कर दी। मुकाबला बराबरी पर समाप्त होता दिख रहा था, तभी 90+1वें मिनट में ललथानजुआला ने निर्णायक गोल दाग दिया। उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

डेम्पो ने शुरुआती मिनटों में चनमारी के आक्रामक खेल का फायदा उठाया। बाईं ओर से आगे बढ़े राणे ने शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के ऊपरी दाएं कोने में पहुंचा दिया। यह डेम्पो का मैच का पहला शॉट था और उसी पर टीम को बढ़त मिल गई। इसके बाद चनमारी ने धीरे-धीरे खेल पर पकड़ बनाई। 23वें मिनट में डेनिलसन रोड्रिग्स ने गेब्रियल फरेरा पाज को बाईं ओर गेंद दी। दोनों के बीच बेहतरीन तालमेल के बाद फरेरा पाज ने गोल क्षेत्र में पास दिया, जिस पर रामदिंथारा ने पहली ही कोशिश में गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर स्कोर 1-1 कर दिया। पहले हाफ के अंतिम हिस्से में दोनों टीमों ने कई अच्छे मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं कर सकीं। दूसरे हाफ में भी मुकाबला बराबरी का रहा। 63वें मिनट में डेम्पो के क्लेडसन दा सिल्वा के शॉट को चनमारी के गोलकीपर जोथानमाविया ने रोक दिया। इसके दो मिनट बाद चनमारी के डेनिलसन के पास बढ़त बनाने का सुनहरा मौका था, लेकिन उनका शॉट गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गया।



मैच के अंतिम 15 मिनट में डेम्पो ने आक्रमण तेज किया और लगातार क्रॉस के जरिए गोल करने की कोशिश की। हालांकि, चनमारी की रक्षापंक्ति ने मजबूती से मुकाबला किया। इंजरी टाइम के पहले मिनट में गुइते वानलालपेका ने गेंद लालपेखलुआ को दी। उन्होंने गोल के सामने शानदार पास पहुंचाया, जिसे ललथानजुआला ने गोल में बदलकर चनमारी को यादगार जीत दिला दी। इस जीत के बाद चनमारी दो मैचों में चार अंक लेकर तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि डेम्पो तीन मैचों में छह अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। डेम्पो का अगला मुकाबला 19 नवंबर को पीजेएन स्टेडियम में शिलांग लाजोंग एफसी से होगा। वहीं, चनमारी 20 नवंबर को जयपुर में राजस्थान यूनाइटेड एफसी से भिड़ेगी।

डीडीयू गोरखपुर ने 8-7 से जीता रोमांचक मुकाबला, हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की 7-0 से बड़ी जीत

कानपुर,एजेंसी। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में आयोजित सेंट्रल जोन अंतर-विश्वविद्यालयीय पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन रविवार को 10 मुकाबले खेले गए। आईआईटी कानपुर और विश्वविद्यालय परिसर के खेल मैदान पर हुए मुकाबलों में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय को 8-7 से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। वहीं डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय ने महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय को 7-0 से शिकस्त दी।

आईआईटी कानपुर के मैदान पर एलएनसीटी विश्वविद्यालय, भोपाल ने विक्रांत विश्वविद्यालय को 2-1 से हराया। डीडीयू गोरखपुर और पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया। अंत में गोरखपुर विश्वविद्यालय ने 8-7 से बाजी मारी। जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय ने मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय को 1-0 से पराजित किया। वहीं डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा और नोएडा इंटरनेशनल विश्वविद्यालय के बीच निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 से बराबर रहा। पेनल्टी शूटआउट में आगरा विश्वविद्यालय ने 7-6 से जीत हासिल की। विश्वविद्यालय परिसर के मैदान पर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय ने क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय, खरगोन को 5-0 से हराया। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय को 1-0 और महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर ने रेनेसां विश्वविद्यालय, इंदौर को 3-0 से शिकस्त दी। बेनेट विश्वविद्यालय की टीम के निर्धारित समय पर नहीं पहुंचने के कारण डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को वॉकओवर दिया गया। मांडसौर विश्वविद्यालय और सेज विश्वविद्यालय की टीमें भी निर्धारित मुकाबले के लिए मैदान पर नहीं पहुंचीं। प्रतियोगिता के तकनीकी पर्यवेक्षण के लिए अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ की ओर से कालीकट विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. साकिर हुसैन मौजूद हैं। उत्तर प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन की ओर से अजीत सिंह और एमएस बेग को टूर्नामेंट डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। आयोजन सचिव शुभम हज़ारिया ने बताया कि दोनों खेल स्थलों पर खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आवास, भोजन, परिवहन, पेयजल और सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सहयोग से प्राथमिक चिकित्सा भी उपलब्ध कराई जा रही है। संयुक्त सचिव सौरभ तिवारी ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए गठित समितियां आपसी समन्वय से कार्य कर रही हैं। शारीरिक शिक्षा एवं क्रीड़ा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रभाकर पांडेय ने कहा कि अंतर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव हासिल करने का अवसर देती हैं। ऐसे आयोजन युवाओं में खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना को मजबूत करते हैं।



एलए-2028 ओलंपिक क्रिकेट के क्वालीफायर अमेरिका और बांग्लादेश में होंगे, आईसीसी ने तय की तारीखें

नई दिल्ली। लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 में क्रिकेट की वापसी के लिए अंतिम क्वालीफाइंग स्थानों का फैसला पुरुष और महिला वर्ग के अलग-अलग आठ टीमों के टूर्नामेंट से होगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को इंडोनेशिया के बाली में हुई बैठकों के बाद इन प्रतियोगिताओं के मेजबान और कार्यक्रम को मंजूरी दे दी। पुरुष वर्ग का क्वालीफायर अमेरिका में 05 से 13 फरवरी 2028 तक, जबकि महिला वर्ग का टूर्नामेंट बांग्लादेश में 26 फरवरी से 05 मार्च 2028 तक खेला जाएगा। दोनों प्रतियोगिताओं में आठ-आठ टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के दो समूहों में बांटा जाएगा। प्रत्येक टूर्नामेंट में कुल 13 मैच होंगे। दोनों समूहों की शीर्ष टीमें फाइनल में पहुंचेंगी और खिताबी मुकाबले का विजेता एलए-2028 ओलंपिक के लिए अंतिम उपलब्ध स्थान हासिल करेगा।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने कहा कि वैश्विक क्रिकेट के विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का कैलेंडर और क्वालीफिकेशन की प्रक्रिया बेहद महत्वपूर्ण है। उनके मुताबिक, प्रतियोगिताओं का स्पष्ट कार्यक्रम खिलाड़ियों और सदस्य देशों को दीर्घकालिक तैयारी, बेहतर प्रशिक्षण और प्रदर्शन योजनाएं बनाने में मदद करेगा। आईसीसी बोर्ड ने पुरुष टी-20 विश्व कप 2028 के वैश्विक क्वालीफायर की रूपरेखा को भी मंजूरी दी। इसमें 16 टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 31 मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट 2028 की पहली तिमाही में होगा। टीमों को चार समूहों में बांटा जाएगा। इसके बाद क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले होंगे। इस प्रतियोगिता से आठ टीमें ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

क्वालीफिकेशन व्यवस्था में क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को भी महत्व दिया गया है। प्रत्येक क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ टीम को न्यूनतम प्रदर्शन मानदंड पूरा करने की शर्त पर जगह मिलेगी। बाकी स्थान समग्र रूप से अगली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीमों को दिए जाएंगे। महिला टी-20 विश्व कप 2028 के वैश्विक क्वालीफायर के लिए भी क्षेत्रवार स्थान तय कर दिए गए हैं। 2026 के संस्करण में खेलने वाली नीदरलैंड और स्कॉटलैंड की टीमें, जो 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई नहीं कर सकीं, इस प्रतियोगिता में शामिल होंगी। इनके साथ 2027 में होने वाले पांच क्षेत्रीय क्वालीफायर से आठ टीमें आगे बढ़ेंगी। अफ्रीका, एशिया और पूर्वी एशिया-प्रशांत क्षेत्र को दो-दो स्थान मिलेंगे, जबकि अमेरिका और यूरोप को एक-एक स्थान दिया जाएगा। वैश्विक क्वालीफायर की शीर्ष दो टीमें 2028 महिला टी-20 विश्व कप में जगह बनाएंगी। आईसीसी ने 2035 तक होने वाले प्रमुख पुरुष टूर्नामेंटों के कार्यक्रम को भी मंजूरी दी है।

एक नजर

ड्रोन कंपनी पर आगजनी की कोशिश के बाद रूस से सीमा बंद करेगा एस्टोनिया

तालिन,एजेंसी। एस्टोनिया ने रूस के साथ लगने वाली अपनी सभी सीमा चौकियों को एक दिसंबर से बंद करने का फैसला किया है। देश के विदेश मंत्री मार्गुस त्साहकना ने रविवार को यह घोषणा की। यह कदम एस्टोनिया की रक्षा क्षेत्र की एक कंपनी पर कथित तोड़फोड़ और आगजनी की कोशिश के बाद उठाया गया है। तालिन ने इस घटना के पीछे मॉस्को का हाथ होने का आरोप लगाया है। एस्टोनियाई अधिकारियों ने रातभर की कार्रवाई में आठ लोगों को हिरासत में लिया। इन पर ड्रोन निर्माता कंपनी 'थ्रियोड सिस्टम्स' में आग लगाने की कोशिश करने का संदेह है। एस्टोनियाई अधिकारियों का दावा है कि इस साजिश का आदेश रूस की सैन्य खुफिया एजेंसी जीआरयू ने दिया था।

एस्टोनिया के आरोपों और सीमा चौकियां बंद करने के फैसले पर मॉस्को की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। रूस यूरोपीय देशों की ओर से तोड़फोड़ की घटनाओं में उसकी संलिप्तता के आरोपों को नियमित रूप से खारिज करता रहा है। विदेश मंत्री त्साहकना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'रूस को समझना होगा कि एस्टोनिया के खिलाफ शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों के परिणाम भुगतने होंगे।' हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि सीमा चौकियां कितने समय तक बंद रहेंगी या इन्हें दोबारा खोलने की कोई तारीख तय की गई है या नहीं। नाटो और यूरोपीय संघ का सदस्य एस्टोनिया यूक्रेन का प्रबल समर्थक रहा है। एस्टोनिया की रूस के साथ फिलहाल तीन सीमा चौकियां नार्वा, लुहामा और कोइदुला खुली हैं। एस्टोनियाई सार्वजनिक प्रसारक ईआरआर के अनुसार, इन चौकियों से पैदल यात्रियों और मालवाहक वाहनों को आने-जाने की अनुमति है।

यूरेनियम संवर्धन रोकने की जर्मनी की मांग ईरान ने ठुकराई, आईएईए की टिप्पणी पर भी जताई आपत्ति

तेहरान,एजेंसी। ईरान ने यूरेनियम संवर्धन रोकने की जर्मनी की मांग खारिज करते हुए कहा है कि परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का सदस्य होने के नाते उसे यूरेनियम संवर्धन का अधिकार है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि यह अधिकार जर्मनी, फ्रांस या किसी अन्य देश ने ईरान को नहीं दिया है। बघाई ने संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की भी आलोचना की। उन्होंने मध्य ईरान के इस्फहान शहर में संभावित नए यूरेनियम संवर्धन केंद्र को लेकर एजेंसी की टिप्पणियों को 'गैर-तकनीकी अटकलें' करार दिया। ईरानी प्रवक्ता ने दावा किया कि अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध के दौरान आईएईए की ईरान के परमाणु केंद्रों तक पहुंच बाधित हो गई थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि ईरान ने परमाणु सुरक्षा उपायों से जुड़ी अपनी प्रतिबद्धताएं निलंबित नहीं की हैं। बघाई से संभावित नए हमलों के जवाब में ईरान की कार्रवाई को लेकर भी सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि ईरान किसी भी हमले का जवाब दिए बिना नहीं छोड़ेगा।

नेपाल में 22 करोड़ रुपये की कोकीन के साथ भारतीय नागरिक गिरफ्तार



काठमांडू। नेपाल में करीब 22 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन के साथ त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। वह 14 नवंबर को थाईलैंड से काठमांडू पहुंचा था। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के एसपी एवं प्रवक्ता दुर्गाराज रेग्मी ने बताया कि भारत के महाराष्ट्र निवासी 52 वर्षीय रेवाज तिघरी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक हवाई मार्ग से ड्रग्स की तस्करी की आशंका को देखते हुए संदिग्ध व्यक्तियों की प्रोफाइलिंग की जा रही थी। इसी क्रम में रेवाज तिघरी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में पता चला है कि वह इससे पहले दो बार नेपाल आ चुका है। पहली बार उसने हवाई मार्ग से नेपाल की यात्रा की थी, जबकि दूसरी बार भारत से सड़क मार्ग के जरिए नेपाल पहुंचा था। एसपी रेग्मी के अनुसार उसने लाओस के अलावा जिम्बाब्वे, सूडान, बांग्लादेश, वियतनाम और कंबोडिया की भी यात्रा की है। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तार व्यक्ति अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का एक प्रमुख सदस्य है। उसके पास से मैकेनिकल इंजीनियरिंग का प्रमाणपत्र भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार उसके पास से बरामद साढ़े पांच किलो कोकीन की बाजार कीमत करीब 22 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बरामद कोकीन भारत पहुंचाई जानी थी।

नेपाल में तीन महीने में 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव, 195 नए उद्योग पंजीकृत

काठमांडू। नेपाल में चालू आर्थिक वर्ष 2026/27 की पहली तिमाही में औद्योगिक क्षेत्र में दस हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं। उद्योग विभाग में पंजीकृत कुल 195 उद्योगों ने यह निवेश प्रस्ताव पेश किया है। उद्योग विभाग की त्रैमासिक रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त से अक्टूबर तक की अवधि में 14 बड़े, 22 मध्यम और 159 छोटे उद्योग पंजीकृत हुए हैं। इन उद्योगों के माध्यम से कुल 10 हजार 220 लोगों को रोजगार देने का प्रस्ताव किया गया है। विभाग के अनुसार, पहली तिमाही में सबसे अधिक उद्योग सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र से संबंधित पंजीकृत हुए हैं। इस क्षेत्र में कुल 86 उद्योग पंजीकृत हुए हैं। इन उद्योगों ने 158 करोड़ रुपये के निवेश और 950 लोगों को रोजगार देने का प्रस्ताव किया है। इसी तरह, पर्यटन क्षेत्र में 40 और सेवा क्षेत्र में 23 उद्योग पंजीकृत हुए हैं। पर्यटन क्षेत्र के उद्योगों ने 563 करोड़ रुपये के निवेश और 1,618 लोगों को रोजगार देने का प्रस्ताव किया है। वहीं, सेवा क्षेत्र में पंजीकृत उद्योगों ने 325 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 4,132 लोगों को रोजगार देने की योजना पेश की है। इस अवधि में सबसे अधिक निवेश प्रस्ताव ऊर्जा क्षेत्र में आए हैं। विभाग के अनुसार, ऊर्जा क्षेत्र में पंजीकृत तीन उद्योगों ने 7,133 करोड़ 35 रुपये के निवेश और 173 लोगों को रोजगार देने का प्रस्ताव किया है। इसी तरह, बुनियादी ढांचा क्षेत्र में पंजीकृत दो उद्योगों ने 207 करोड़ रुपये के निवेश और 2,380 लोगों को रोजगार देने का प्रस्ताव किया है। विभाग के अनुसार, इस अवधि में विनिर्माण क्षेत्र के 37, कृषि एवं वन क्षेत्र के तीन और खनिज क्षेत्र का एक उद्योग पंजीकृत हुआ है। विनिर्माण क्षेत्र के उद्योगों ने 108 करोड़ रुपये के निवेश और 207 लोगों को रोजगार देने का प्रस्ताव किया है। इसी तरह, कृषि एवं वन क्षेत्र के उद्योगों ने 112 करोड़ रुपये के निवेश और 706 लोगों को रोजगार देने का प्रस्ताव किया है। वहीं, खनिज क्षेत्र के उद्योगों ने 16 करोड़ रुपये के निवेश और 54 लोगों को रोजगार देने की योजना पेश की है।

अंतरिक्ष में 22 घंटे बिता स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट पृथ्वी पर लौटा

वाशिंगटन,एजेंसी। अंतरिक्ष में 22 घंटे बिताने के बाद शनिवार को स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट वापस पृथ्वी पर लौटा। पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश करते समय इसने भीषण गर्मी झेली और टेक्सास गल्फ कोस्ट स्थित अपने लॉन्च साइट की ओर बढ़ा। आखिरी पल में रॉकेट सीधा खड़ा हो गया और लॉन्च गैंट्री पर लगी दो विशाल मैकेनिकल भुजाओं की पकड़ में आ गया। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पास में मौजूद स्पेसएक्स के कर्मचारियों ने खुशी से तालियां बजाईं। रॉकेट ने अपने छह मीथेन-ईंधन वाले रैप्टर इंजनों में से तीन को फिर से चालू किया ताकि वह सीधा खड़ा हो सके। इसकी गति तेजी से कम हुई और यह लगभग हवा में स्थिर हो गया, तभी रोबोटिक भुजाओं ने इसे जकड़ लिया। इंजन बंद होने से ठीक एक पल पहले रॉकेट को पकड़ लिया गया। स्पेसएक्स की कमेंटेटर जेसी एंडरसन ने कहा, 'यह देखना वाकई अद्भुत है! हमारी आंखों के सामने इंजीनियरिंग का एक बेहद शानदार और ऐतिहासिक कारनामा हुआ है। स्पेसएक्स की हमारी टीम और स्टारशिप प्रोग्राम का समर्थन करने वाले सभी लोगों को बधाई।

ऑर्बिट से स्टारशिप को वापस लाने की यह पहली घटना है। इससे पहले की टेस्ट फ्लाइट्स समुद्र में उतरने के साथ खत्म होती थीं। यह स्पेसएक्स के उस लक्ष्य की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है, जिसके तहत वे पूरी तरह से दोबारा इस्तेमाल होने वाला ऑर्बिट-क्लास रॉकेट विकसित कर रहे हैं। कंपनी के संस्थापक एलन



मस्क का कहना है कि इससे पृथ्वी की कक्षा, चंद्रमा और भविष्य में मंगल ग्रह तक पेलोड (सामान) भेजने की लागत में भारी कमी आएगी। स्टारशिप को शुक्रवार को टेक्सास तट पर स्थित स्पेसएक्स की स्टारबेस सुविधा से एक 'सुपर हैवी' बूस्टर के जरिए लॉन्च किया गया था। 407 फीट ऊंचा यह दो-चरण वाला रॉकेट अब तक का सबसे शक्तिशाली लॉन्चर है। उड़ान भरते समय इसके पहले चरण में लगे 33 'रैप्टर' इंजन लगभग 16 मिलियन पाउंड का थ्रस्ट पैदा करते हैं। इस विशाल रॉकेट की 15वीं टेस्ट फ्लाइट से पहले स्पेसएक्स ने पिछली तीन उड़ानों में इस्तेमाल किए गए पहले चरण के बूस्टर को सफलतापूर्वक वापस हासिल कर लिया था।

यूएई के मंत्री से मिले नेपाल के गृहमंत्री, बूढ़ीगंडकी जलविद्युत परियोजना में निवेश का प्रस्ताव



काठमांडू। नेपाल के गृहमंत्री सुदन गुरुंग ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश व्यापार मंत्री डॉ. थानी बिन अहमद अल जेयोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। गृहमंत्री गुरुंग के अनुसार, बैठक में बूढ़ीगंडकी जलविद्युत परियोजना, कृषि एवं सेवा क्षेत्र के साथ-साथ सुरक्षा प्रौद्योगिकी में यूएई के निवेश और सहयोग का प्रस्ताव रखा गया। उन्होंने बताया कि बैठक में फेसलेस पुलिसिंग, गैर-घातक सुरक्षा उपकरणों के उत्पादन, सुरक्षा एजेंसियों के आधुनिकीकरण और उन्हें तकनीक के अनुकूल बनाने जैसे विषयों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

गृहमंत्री सुदन गुरूंग ने कहा कि नेपाल की ओर से प्रस्तावित परियोजनाओं में सहयोग को लेकर डॉ. थानी ने सकारात्मक तत्परता दिखाई । दरअसल, गृहमंत्री सुदन गुरूंग विश्व पुलिस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुबई पहुंचे हैं। यूएई सरकार के औपचारिक निमंत्रण पर वह दुबई में हैं। बताया गया है कि सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग, सुरक्षा प्रौद्योगिकी के विकास और अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में अपनाई जा रही नवीनतम प्रक्रियाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान उच्चस्तरीय नीतिगत चर्चा, विषयगत एवं तकनीकी सत्र, उच्चस्तरीय मुलाकातें, कार्यशालाएं एवं प्रशिक्षण, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और विश्व पुलिस पुरस्कार सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस बार सम्मेलन में रक्षा एवं संकट प्रबंधन, स्वचालित रोबोट, ड्रोन एवं मानवीय क्षमता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पुलिस सेवा एवं डिजिटल परिवर्तन, साइबर हमले और डिजिटल धोखाधड़ी पर नियंत्रण, क्रिप्टो लेनदेन एवं वित्तीय अपराधों की रोकथाम, अपराध अनुसंधान, खुफिया सूचना एवं आधुनिक फॉरेंसिक तकनीक, मादक पदार्थों एवं संगठित अपराध पर नियंत्रण, सीमा सुरक्षा एवं स्मार्ट सुरक्षा प्रणाली तथा उपग्रह सूचना एवं अंतरिक्ष सुरक्षा समेत कुल 14 विषयगत क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

वाशिंगटन के ऐतिहासिक गोल्फ कोर्स-पार्क को बंद करने के ट्रंप प्रशासन के फैसले पर जज ने अस्थायी रोक लगाई

वाशिंगटन (अमेरिका)। वाशिंगटन डीसी में ट्रंप प्रशासन के एक ऐतिहासिक गोल्फ कोर्स और पार्क को बंद करने के फैसले पर एक संघीय जज ने अस्थायी रोक लगा दी। राष्ट्रपति ट्रंप इसे एक नए 'विश्व स्तरीय चैंपियनशिप' कोर्स में बदलना चाहते हैं। अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज एना रेयेस ने फैसला सुनाया कि ट्रंप प्रशासन ईस्ट पोटोमैक पार्क और उसके गोल्फ कोर्स को बंद नहीं कर सकता, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन के लिए इनका सक्रिय रूप से प्रबंधन करना अनिवार्य नहीं है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, संघीय जज ने वाशिंगटन डीसी के एक संरक्षण समूह और दो स्थानीय गोल्फरों का पक्ष लिया। उनका तर्क था कि 15 नवंबर को ईस्ट पोटोमैक पार्क को बंद करने का फैसला ट्रंप प्रशासन की उस योजना का हिस्सा है जिसके तहत वे इस कोर्स को फिर से डिजाइन करके इसे गोल्फ कोर्स आर्किटेक्ट टॉम फैजियो द्वारा तैयार किए गए 'चैंपियनशिप-स्टाइल' वेन्यू में बदलना चाहते हैं। जज रेयेस ने कहा कि प्रस्तावित कोर्स को बंद करने के लिए ट्रंप प्रशासन द्वारा दिए गए तर्क केवल बहाने थे। उन्होंने कहा, 'सरकार पार्क को बंद करने के लिए नए-नए तर्क गढ़ रही है। जबकि वह यह भी कहती रही है कि वह राष्ट्रपति के निर्देश का पालन करने के लिए पार्क को बंद कर देगी। 'डेमोक्रेसी फॉरवर्ड' की वरिष्ठ कानूनी सलाहकार कैथरीन कैरोल ने कहा, 'हम आभारी हैं कि एक बार फिर अदालत ने हस्तक्षेप किया है। इससे ट्रंप-वेंस प्रशासन द्वारा राष्ट्रपति के एक और 'शौकिया प्रोजेक्ट' के कारण होने वाले अपूरणीय नुकसान को रोका जा सका है।' उन्होंने कहा, 'ईस्ट पोटोमैक पार्क को नष्ट करने की प्रशासन की इस अजीब जिद से एक ऐसा अनमोल पार्क छिन जाता, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती थी। हमें इस अस्थायी राहत को हासिल करने के लिए इस गठबंधन के साथ काम करने पर गर्व है। न्याय विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया, 'अदालत ने यह माना है कि 'नेशनल पार्क सर्विस' अपनी सुविधाओं तक लोगों की पहुंच को सीमित कर सकती है।न्याय विभाग अदालत में हमेशा ट्रम्प प्रशासन के एजेंडे का पुरजोर बचाव करेगा।' रेयेस कई महीनों से 'ईस्ट पोटोमैक गोल्फ लिंक्स' के लिए राष्ट्रपति की योजनाओं से जुड़ी कानूनी चुनौती की देखरेख कर रही हैं।

यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ अभियान से पीछे हटीं सऊदी समर्थित सेनाएं, बहरीन में ईरान का ड्रोन हमला

सना/मनामा,एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ रही सऊदी अरब समर्थित सेनाओं ने बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास के मोर्चों से पीछे हटकर दक्षिणी तटीय शहर अदन की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया है। इसी बीच ईरान ने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने को निशाना बनाकर ड्रोन हमले किए। इन घटनाओं ने अमेरिका और उसके खाड़ी सहयोगियों पर दबाव बढ़ा दिया है। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के समर्थन में लड़ रही दक्षिणी सेनाओं ने रविवार को अपनी तैनाती में बदलाव की घोषणा की। दक्षिणी सशस्त्र बलों के बयान के अनुसार, धुबाब हवाई अड्डे और ताइज प्रांत के पश्चिम में स्थित बाब-अल-मंदेब क्षेत्र से सैनिकों को हटाकर अदन और आसपास के प्रांतों की सुरक्षा मजबूत की जा रही है। सेना ने इसे राजधानी अदन की सुरक्षा को प्राथमिकता देने और मौजूदा खतरों से निपटने के लिए उठाया गया कदम बताया है।

यमनी सैन्य सूत्रों के मुताबिक, बाब-अल-मंदेब के आसपास तैनात सरकारी सैनिकों को अदन से करीब 150 किलोमीटर पश्चिम में अल-सुकयाह की ओर भेजा गया है। वहीं, अदन के उत्तर में पहाड़ी इलाकों में हूती लड़ाके ताइज शहर के पास तुर अल-बाहा क्षेत्र तक पहुंच गए हैं। यह इलाका ताइज से करीब 80 किलोमीटर दूर है। हूतियों ने लंबे समय से यमन के तीसरे सबसे बड़े शहर ताइज की घेराबंदी कर रखी है। इस बीच, ईरान ने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने को निशाना बनाने का दावा किया है।



बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े का मुख्यालय स्थित है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी फार्स के अनुसार, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अमेरिकी कार्रवाई के जवाब में छह ड्रोन से सैन्य ठिकाने पर हमला किया।

बहरीन ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने ईरान की ओर से किए गए कई हवाई हमलों को रोककर नष्ट कर दिया। सितंबर के बाद यह पहला मौका बताया गया है, जब बहरीन की वायु रक्षा प्रणाली ने ऐसे हमलों को रोका है। हमले की आशंका के बीच प्रशासन ने नागरिकों और निवासियों से शांत रहने तथा नजदीकी सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील की। इससे दो दिन पहले भी आईआरजीसी ने बहरीन में अमेरिकी प्रारंभिक चेतावनी रडार केंद्र पर हमला करने का दावा किया था। हालांकि, अमेरिकी सेना ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा था कि उसने दो ईरानी ड्रोन को बीच में ही रोक दिया और किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ।

नेपाल में बंद होगी 3 जी सेवा, 4जी नेटवर्क पर होगा पूरा फोकस

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल के दूरसंचार क्षेत्र में बड़ा तकनीकी बदलाव होने जा रहा है। देश की दो प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियां निजी क्षेत्र की एनसेल और सरकारी स्वामित्व वाली नेपाल टेलिकॉम देशभर में अपनी 3 जी सेवा बंद कर 4 जी तकनीक पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करने की तैयारी कर रही हैं। दुनियाभर में दूरसंचार कंपनियां पुरानी पीढ़ी की मोबाइल तकनीक को हटाकर नई तकनीक और नेटवर्क क्षमता के विस्तार में निवेश कर रही हैं। इसी क्रम में नेपाल की दोनों प्रमुख कंपनियों ने भी 3 जी नेटवर्क बंद करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इस मामले में निजी दूरसंचार कंपनी एनसेल आगे है। एनसेल ने दिसंबर 2026 तक देशभर में 3जी सेवा पूरी तरह बंद करने का लक्ष्य रखा है। वहीं, नेपाल टेलिकॉम भी चालू वित्त वर्ष के भीतर ही 3जी सेवा पूरी तरह समाप्त करने की तैयारी कर रहा है।

एनसेल के अनुसार, कंपनी ने देशभर में संचालित कुल 3,139 नेटवर्क साइटों में से 992 साइटों पर 3 जी सेवा पूरी तरह बंद कर दी है। यह कुल नेटवर्क साइटों का लगभग 32 प्रतिशत है। कंपनी के अनुसार, बाकी करीब 2,150 साइटों पर संचालित 3 जी सेवा भी तिहार के बाद चरणबद्ध तरीके से बंद करने की तैयारी है। एनसेल पहले चरण में लुंबिनी और गंडकी प्रदेश में 3जी सेवा बंद करेगा। इसके बाद बागमती प्रदेश और फिर मधेश, गंडकी तथा कोशी प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में धीरे-धीरे यह सेवा समाप्त की जाएगी। कंपनी के मुताबिक, उसके कुल सक्रिय ग्राहकों में से केवल करीब 3 प्रतिशत ग्राहक ही फिलहाल 3 जी सेवा का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, देशभर में 4जी सेवा का विस्तार होने के बावजूद 4 लाख 20 हजार से अधिक ग्राहकों के पास अभी भी 3जी सिम मौजूद हैं। एनसेल का दावा है कि उसकी 4जी सेवा देश की करीब 95 प्रतिशत आबादी तक पहुंच चुकी है। कंपनी का उद्देश्य 3जी सेवा बंद कर नेटवर्क क्षमता और उपलब्ध स्पेक्ट्रम का अधिकतम



इस्तेमाल करना है। पुरानी तकनीक हटने से उपलब्ध संसाधनों को नई तकनीक की सेवा गुणवत्ता सुधारने में लगाया जा सकेगा। एनसेल ने स्पष्ट किया है कि 3जी सेवा बंद होने के बावजूद ग्राहक बुनियादी संचार सुविधाओं से वंचित नहीं होंगे। जिन ग्राहकों के पास 4जी सपोर्ट नहीं करने वाले पुराने मोबाइल फोन हैं, वे 2जी नेटवर्क के जरिए सामान्य वॉयस कॉल और एसएमएस सेवा का इस्तेमाल कर सकेंगे। वहीं, पुराने सिम इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को कंपनी मुफ्त में 4जी सिम उपलब्ध कराएगी। सिम बदलने पर सात दिनों के लिए 2 जीबी इंटरनेट डेटा भी मुफ्त दिया जाएगा।

कंपनी ग्राहकों को 4जी नेटवर्क पर ही वॉयस कॉल करने के लिए वीओएलटीई तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इस तकनीक के जरिए मोबाइल डेटा इस्तेमाल करते हुए भी 4जी नेटवर्क पर अधिक स्पष्ट और तेज वॉयस कॉल की सुविधा मिलती है। एनसेल के बाद सरकारी स्वामित्व वाली नेपाल टेलिकॉम ने भी चालू वित्त वर्ष के भीतर 3जी सेवा पूरी तरह बंद करने की तैयारी शुरू कर दी है। नेपाल टेलिकॉम के प्रवक्ता कमल लामिछाने ने बताया कि नेपाल ही नहीं, बल्कि दुनिया के अधिकांश देशों में दूरसंचार कंपनियां 3जी तकनीक को धीरे-धीरे विस्थापित कर रही हैं। इसी प्रक्रिया के तहत नेपाल टेलिकॉम भी वित्त वर्ष 2026/27 में अपनी 3जी सेवा पूरी तरह बंद करने की दिशा में काम कर रहा है। फिलहाल कंपनी 2100 मेगाहर्ट्ज बैंड पर 3जी सेवा संचालित कर रही है। लामिछाने के अनुसार, 3जी सेवा बंद होने के बाद ग्राहक इंटरनेट डेटा के लिए 4जी और सामान्य वॉयस कॉल के लिए 2जी नेटवर्क का इस्तेमाल कर सकेंगे। वहीं, डेटा और वॉयस कॉल दोनों सुविधाएं एक ही नेटवर्क से इस्तेमाल करने के इच्छुक ग्राहक 4जी की वीओएलटीई सुविधा ले सकते हैं। इससे इंटरनेट और वॉयस कॉल दोनों की गुणवत्ता बेहतर होगी। नेपाल टेलिकॉम अब तक देश की 760 स्थानीय निकायों तक 4जी सेवा का विस्तार कर चुका है। कंपनी बाकी स्थानीय निकायों में भी 4जी सेवा पहुंचाने और नेटवर्क की गुणवत्ता सुधारने की योजना पर काम कर रही है।

दोनों प्रमुख दूरसंचार कंपनियों की ओर से 3जी तकनीक बंद करने की तैयारी के साथ नेपाल में पुरानी मोबाइल तकनीक से नई पीढ़ी के नेटवर्क की ओर बदलाव की प्रक्रिया तेज होने की संभावना है। 3जी सेवा के लिए इस्तेमाल हो रही फ्रीक्वेंसी और नेटवर्क संसाधनों को 4जी सेवा की क्षमता तथा गुणवत्ता सुधारने में इस्तेमाल किया जा सकेगा। इससे दूरसंचार कंपनियों की परिचालन लागत और नेटवर्क प्रबंधन पर भी असर पड़ेगा। हालांकि, 4जी सेवा का विस्तार होने के बावजूद पुराने मोबाइल फोन और सिम इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को नई तकनीक में स्थानांतरित करना दोनों कंपनियों के लिए चुनौती होगी। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर समुदायों के ग्राहकों को बुनियादी संचार सुविधाओं से वंचित किए बिना यह बदलाव करना महत्वपूर्ण होगा। नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण के आश्विन महीने तक के आंकड़ों के अनुसार, नेपाल में कुल 7 लाख 38 हजार 761 ग्राहक अभी भी 3जी सेवा का इस्तेमाल कर रहे हैं। इनमें नेपाल टेलिकॉम के 6 लाख 42 हजार 720 और एनसेल के 96 हजार 41 ग्राहक शामिल हैं। इसके मुकाबले देश में 4जी ग्राहकों की संख्या 2 करोड़ 68 लाख 58 हजार 267 पहुंच चुकी है। इनमें नेपाल टेलिकॉम के 1 करोड़ 47 लाख 14 हजार 276 और एनसेल के 1 करोड़ 21 लाख 43 हजार 991 ग्राहक शामिल हैं।

एक नजर

बैंक के अंदर वृद्ध की जेब से 50 हजार रुपये चोरी करने के मामले में तीन महिलाओं समेत पांच गिरफ्तार

जौनपुर,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में जफराबाद थाना क्षेत्र के कबूलपुर बाजार स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नेहरूनगर शाखा में वृद्ध की जेब से 50 हजार रुपये चोरी करने के मामले में पुलिस ने तीन महिलाओं समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। रविवार को पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए आरोपितों के कब्जे से फर्जी आधार कार्ड समेत अन्य सामान बरामद किया। क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी ने बताया कि जलालपुर थाना क्षेत्र के नीलकंठपुर गांव निवासी तेजबहादुर चौहान गुरुवार को बैंक से 50 हजार रुपये निकालकर अपनी जेब में रख रहे थे। इसके बाद वह पासबुक प्रिंट कराने लगे। इसी दौरान गिरोह की दो महिलाओं ने उनका ध्यान भटकाकर जेब से रुपये चोरी कर लिए। गिरोह के अन्य सदस्य बैंक के बाहर बाइक से रेकी कर रहे थे।

सीओ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में रामगंज अमेठी निवासी निर्जला, भदोही के ज्ञानपुर निवासी रीता, वाराणसी के मेधियापार निवासी सुनील कुमार और उसकी पत्नी संगीता तथा भदोही के मरचवारे निवासी जितेंद्र कुमार शामिल हैं। घटना के बाद सभी आरोपित अलग-अलग ऑटो से वाराणसी स्थित सुनील के घर सिंधोरा चले गए थे। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि सुनील कुमार गिरोह के सदस्यों के आने-जाने और घटनाओं को अंजाम देने की व्यवस्था करता था। वह उन्हें शहर के नजदीक छोड़ देता था, जहां से वे ई-रिक्शा आदि के माध्यम से बैंक, मेले और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पहुंचते थे। वहां वृद्ध पुरुषों और महिलाओं को निशाना बनाकर उनका ध्यान भटकाते हुए रुपये, जेवरात और अन्य कीमती सामान चोरी कर लेते थे। आरोपित ऑटो में सफर करने वाले यात्रियों और राहगीर महिलाओं को भी निशाना बनाते थे। पुलिस के अनुसार, पकड़े जाने पर अपनी वास्तविक पहचान छिपाने के लिए गिरोह के सदस्य फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल करते थे। इनके माध्यम से बैंक में फर्जी खाते भी खुलवाए जाते थे। पुलिस के मुताबिक आरोपितों ने जौनपुर, वाराणसी और आसपास के जनपदों में भी इसी तरह की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस अन्य घटनाओं के संबंध में जांच कर रही है। गिरफ्तार सभी आरोपितों का चालान न्यायालय भेज दिया गया है।

झारखंड के 26वें स्थापना दिवस पर रांची सहित राज्य के सभी जिलों में आयोजित हुआ 'रन फॉर क्लीनलीनेस'

रांची,एजेंसी। झारखंड राज्य के 26वें स्थापना दिवस (15 नवंबर 2026) के अवसर पर स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने एवं आम नागरिकों को स्वच्छता अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से रांची सहित राज्य के सभी 24 जिलों में 'रन फॉर क्लीनलीनेस' का आयोजन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से स्वच्छता को जन-आंदोलन का स्वरूप देने, स्वच्छ परिवेश के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने और स्वच्छ एवं स्वस्थ झारखंड के निर्माण का संदेश दिया गया। रांची में आयोजित इस दौड़ का शुभारंभ मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका से हुआ। दौड़ में शामिल प्रतिभागियों ने बापू वाटिका से अल्बर्ट एक्का चौक तक दौड़ लगाकर स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मंत्री संजय प्रसाद यादव, मंत्री योगेंद्र प्रसाद, राज्यसभा सांसद महुआ माजी एवं रांची विधायक सीपी सिंह ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों ने संदेश दिया कि स्वच्छता केवल किसी एक विभाग या सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। स्वच्छता को अपनी दैनिक जीवनशैली में शामिल कर ही स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर झारखंड के निर्माण के संकल्प को साकार किया जा सकता है। दौड़ के आयोजन के साथ ही स्वच्छता के संदेश को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से चडरी तालाब छठ घाट में साफ-सफाई अभियान भी चलाया गया। इस दौरान मंत्रियों और राज्यसभा सांसद ने स्वयं स्वच्छता गतिविधियों में भाग लेकर श्रमदान किया एवं आम नागरिकों को जलस्रोतों, तालाबों तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया। कहा कि तालाब और अन्य जलस्रोत हमारी प्राकृतिक धरोहर हैं। इनका संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। सार्वजनिक स्थलों पर कचरा नहीं फैलाने, जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाने और अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक को आगे आना चाहिए।

प्रयास के 39वें स्थापना दिवस पर बच्चों ने बिखेरी प्रतिभा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन- एम. अतहर उद्दीन मुन्ने भारती

सद्भावना टुडे,वरिष्ठ संवाददाता

नई दिल्ली। प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर (JAC) सोसाइटी ने प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (PMML) के सहयोग से अपना 39वां स्थापना दिवस और पंडित जवाहरलाल नेहरू की 137वीं जयंती बाल दिवस के अवसर पर हर्षोल्लास के साथ मनाई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय की परिचय गैलरी में 'जवाहरलाल नेहरू - एक दूरदर्शी नेता' शीर्षक से विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में प्रयास के बच्चों ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।



इस अवसर पर PMML के अश्विनी लोहानी और प्रियंका मिश्रा, प्रयास के संस्थापक अमोद कंठ तथा कार्यकारी निदेशक इंदु रानी सिंह सहित सैकड़ों बच्चों और गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों को पंडित जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तित्व, विचारों और उनके योगदान को करीब से जानने का अवसर मिला। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने प्रधानमंत्री संग्रहालय और तारामंडल का भ्रमण किया। उन्होंने संग्रहालय की विभिन्न दीर्घाओं को उत्सुकता से देखा और तारामंडल में अंतरिक्ष से जुड़ा विशेष शो देखकर रोमांच का अनुभव किया। समारोह का मुख्य आकर्षण प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय के सभागार में आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम रहा। प्रयास के विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों और युवाओं ने नृत्य, संगीत और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों के आत्मविश्वास, ऊर्जा और उत्साह से पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। इस वर्ष आयोजन की मुख्य भावना थी— 'हर बच्चा सुरक्षा, गरिमा, शिक्षा के अवसर और सपने देखने की आजादी का हकदार है।' इसी संदेश के साथ बच्चों के अधिकारों, संरक्षण और उनके उज्ज्वल भविष्य पर विशेष जोर दिया गया। पढ़ाई, खेलकूद और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं, प्रयास के उन पूर्व छात्रों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों से निकलकर आत्मनिर्भर और सफल जीवन की मिसाल कायम की है। लोकसभा सांसद एवं जिंदल स्टील के अध्यक्ष नवीन जिंदल ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें अपने सपनों को पहचानने और उन पर विश्वास रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे में अलग-अलग क्षमताएं होती हैं और उन्हें पहचानने में समय लग सकता है। बच्चों को अपनी रुचि और जुनून के अनुसार जीवन का रास्ता चुनना चाहिए। उन्होंने कहा, 'बड़े सपने देखिए और खुद पर विश्वास रखिए। प्रयास JAC सोसाइटी के अध्यक्ष एम. बी. कौशल ने संस्था की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस आयुक्त के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने प्रयास को पुलिस का मानवीय चेहरा माना था। उन्होंने बताया कि छोटी शुरुआत से आगे बढ़ते हुए आज प्रयास 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 330 इकाइयों एवं केंद्रों के माध्यम से कार्य कर रहा है। संस्था से 756 सहकर्मी, स्वयंसेवक और इंटर्न जुड़े हैं तथा प्रतिदिन हजारों बच्चों तक सहायता पहुंचाई जा रही है। प्रयास के संस्थापक एवं मार्गदर्शक अमोद के. कंठ ने संस्था के साथ निरंतर सहयोग करने वाले सभी संगठनों और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने एम. बी. कौशल और अश्विनी लोहानी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आज प्रयास किसी एक व्यक्ति या कुछ लोगों के भरोसे नहीं, बल्कि इसके बच्चों, प्रबंधकों और सहकर्मियों की सामूहिक प्रतिबद्धता से आगे बढ़ रहा है। PMML के निदेशक अश्विनी लोहानी ने कहा कि बाल दिवस पर प्रयास का 39वां स्थापना दिवस मनाया जाना बाल अधिकारों, संरक्षण और कल्याण के क्षेत्र में संस्था के 39 वर्षों के समर्पित कार्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि संस्था की बढ़ती पहुंच हर बच्चे के लिए सुरक्षित और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव रश्मि सिंह ने कहा कि प्रयास ने गुणवत्तापूर्ण बाल देखभाल के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि जब नागरिक समाज के संगठन सरकार के साथ मिलकर काम करते हैं और सेवा के उच्च मानक स्थापित करते हैं, तो वे अन्य संस्थाओं के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण बनते हैं। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हर बच्चे में एक आदर्श बनने की क्षमता है। दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (DCPCR) के अध्यक्ष ओ. पी. व्यास ने प्रयास के कार्यों की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि संस्था आने वाली पीढ़ियों तक बच्चों के हितों के लिए काम करती रहेगी। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए काम कभी नहीं रुकना चाहिए और जरूरतमंद बच्चों को हमेशा सहयोग मिलता रहना चाहिए। इस अवसर पर सरकार, बाल संरक्षण संस्थाओं, नागरिक समाज और कॉर्पोरेट क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। इनमें भुवन ऋभु, संजय कुंडू (सेवानिवृत्त IPS), डॉ. सौरभ आनंद, डॉ. किरण अग्रवाल, डॉ. सुजीत रंजन, प्रो. के. के. उपाध्याय, डॉ. ज्योति रंजन मिश्रा, डॉ. के. एस. सचदेवा, संजय रॉय और जितेंद्र राउत्रे सहित अन्य अतिथि शामिल रहे।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर भाजपा का राष्ट्रीय जनजातीय गौरव पदयात्रा संपन्न

रांची,एजेंसी। भगवान बिरसा मुंडा की 151 वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की ओर से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय गौरव पदयात्रा का रविवार को रांची के कोकर स्थित बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ समापन हुआ। पदयात्रा खूंटी जिले के उलिहातू स्थित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली से शुरू होकर लगभग 73 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए रांची के कोकर स्थित उनके समाधि स्थल तक पहुंची। पदयात्रा के शुभारंभ से पूर्व बिरसा मुंडा संग्रहालय में धरती आबा के स्मृति स्थल पर पूजा-अर्चना की गई और बिरसा रथ में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर पदयात्रा को रवाना किया। तीन दिनों तक चली इस पदयात्रा में हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी और जनजातीय समाज के लोग शामिल हुए।

पदयात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर पारंपरिक झूमर नृत्य करते हुए जनजातीय संस्कृति, परंपरा और गौरव का उत्सव मनाया। कोकर स्थित बिरसा समाधि स्थल पहुंचने पर सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने धरती आबा की समाधि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने जल, जंगल, जमीन और जनजातीय समाज की अस्मिता की रक्षा के लिए अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध ऐतिहासिक उलगुलान किया। 73 किलोमीटर की यह पदयात्रा केवल दूरी तय करने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि धरती आबा के विचारों, आदर्शों और बलिदान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प है। भाजपा जनजातीय समाज के सम्मान, अधिकार और विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अपने अदम्य साहस और संघर्ष से पूरे देश को अन्याय और शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने की प्रेरणा दी। उनका बलिदान झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश की अमूल्य धरोहर है। जनजातीय गौरव पदयात्रा के माध्यम से भाजपा ने जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और परंपराओं को सम्मान देने का संदेश दिया है। धरती आबा के सपनों का झारखंड बनाने के लिए हम सभी को संकल्पित होना होगा। वहीं केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष और बलिदान देश के इतिहास में हमेशा अमर रहेगा। उन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता और जनजातीय समाज के अधिकारों के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनजातीय समाज के सम्मान, स्वाभिमान और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

ऑफिसर्स वॉइस 2026 में DANICS अधिकारी अभिषेक व्यास ने मारी बाजी, बने विजेता!

IRS अधिकारी संजीव ऋषि दूसरे और कर्नल संजय चतुर्वेदी तीसरे स्थान पर रहे, जस्टिस सुधीर अग्रवाल ने अधिकारियों की गायन प्रतिभा को सराहा

सद्भावना टुडे, वरिष्ठ संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित CSOI ऑडिटोरियम में 13 नवंबर को अमावस्या फाउंडेशन की ओर से आयोजित 'ऑफिसर्स वॉइस 2026' का ग्रैंड फिनाले भव्य रूप से संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में DANICS अधिकारी अभिषेक व्यास ने शानदार गायन प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं IRS अधिकारी संजीव ऋषि दूसरे और कर्नल संजय चतुर्वेदी तीसरे स्थान पर रहे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने के साथ-साथ विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत अधिकारियों की छिपी संगीत प्रतिभा को एक बेहतर मंच प्रदान करना था।



प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले में विभिन्न विभागों के 12 अधिकारियों ने अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इनमें दिल्ली पुलिस के चार इंस्पेक्टर इंद्रपाल सिंह, दिनेश आर्य, राम मनोहर और योगेश राज भी शामिल रहे। निर्णायक मंडल ने पांच प्रतिभागियों की प्रस्तुतियां दूसरे दौर में दोबारा सुनने के बाद विजेताओं का चयन किया। कार्यक्रम में जस्टिस सुधीर अग्रवाल और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की उपाध्यक्ष मुनावरी बेगम ने विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जस्टिस सुधीर अग्रवाल ने कहा कि प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों के बीच महज डेढ़ अंक का अंतर रहा। उन्होंने अधिकारियों की गायन प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि उनकी प्रस्तुतियां किसी भी पेशेवर गायक कलाकार से कम नहीं थीं। प्रत्येक प्रतिभागी ने अपनी अलग शैली और प्रस्तुति से विशिष्ट पहचान बनाई। उन्होंने संगीत को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रभावशाली माध्यम बताते हुए कहा कि इस तरह की पहल समाज को प्रकृति की रक्षा के लिए प्रेरित करती है। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजेंद्र सागर ने गायन प्रस्तुति दी, जबकि डिप्टी सेक्रेटरी हेल्थ शरद कुमार ने माउथ ऑर्गन पर शानदार धुन प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। निर्णायक मंडल में ड्रूस अधिकारी रणजीत सिंह, विजय सिंह, डॉ. अत्यनंद, सुप्रसिद्ध गायक शंकर साहनी और निशी सिंह शामिल रहे। अमावस्या फाउंडेशन के संस्थापक-अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार राजीव निशाना ने कहा कि 'ऑफिसर्स वॉइस' का उद्देश्य अधिकारियों की छिपी हुई प्रतिभा को सामने लाने के साथ-साथ संगीत के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की प्रस्तुतियां समाज को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने और प्रकृति की रक्षा करने के लिए प्रेरित करती हैं। कार्यक्रम के अंत में राजीव निशाना ने सभी अतिथियों, निर्णायक मंडल के सदस्यों, प्रतिभागियों और आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

IITF-2026 में उत्तर प्रदेश पैवेलियन का भव्य उद्घाटन, 'विकास और विरासत' की थीम पर दिखी प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान

सद्भावना टुडे, वरिष्ठ संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली के भारत मंडपम (प्रगति मैदान) में आयोजित 45वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (IITF-2026) में उत्तर प्रदेश पैवेलियन का विधिवत उद्घाटन उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव श्री शशि प्रकाश गोयल ने किया। 13 से 27 नवंबर तक आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में उत्तर प्रदेश सहयोगी राज्य (पार्टनर स्टेट) के रूप में भाग ले रहा है। इस वर्ष पैवेलियन की थीम 'विकास और विरासत' रखी गई है, जिसके माध्यम से प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक शिल्पकला और विकास की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जा रहा है।



उद्घाटन अवसर पर मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल ने कहा कि 'विकास और विरासत' की थीम उत्तर प्रदेश की सदियों पुरानी शिल्प परंपराओं के संरक्षण के साथ स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों और एमएसएमई इकाइयों को वैश्विक बाजार से जोड़ने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला विभिन्न राज्यों को अपनी औद्योगिक क्षमताओं, विशिष्ट उत्पादों और विकास उपलब्धियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश मंडप में एक जनपद-एक उत्पाद (ODOP) योजना के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों के विशिष्ट उत्पादों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। इनमें भदोही के कालीन, मुरादाबाद के पीतल उत्पाद, कन्नौज का इत्र, बनारसी सिल्क, चिकनकारी और लकड़ी के हस्तशिल्प प्रमुख हैं।

145 स्टॉलों पर दिखी उत्तर प्रदेश की विविधता!

उत्तर प्रदेश पैवेलियन में वाराणसी, लखनऊ, कन्नौज, मुरादाबाद, भदोही, आगरा, मेरठ, अलीगढ़, आजमगढ़, सहारनपुर, झांसी और गौतमबुद्ध नगर सहित विभिन्न जनपदों के उत्पादों के प्रदर्शन के लिए कुल 145 स्टॉल लगाए गए हैं। यहां आने वाले आगंतुकों को प्रदेश की पारंपरिक कला, हस्तशिल्प, पर्यटन, सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक विकास यात्रा की झलक देखने को मिल रही है।

एक जनपद-एक व्यंजन पहल को भी मिला मंच

इस बार पैवेलियन में 'एक जनपद-एक व्यंजन' (ह्ठह्ठह्ठ) पहल को भी विशेष महत्व दिया गया है। मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद की अपनी विशिष्ट पाक परंपरा और खान-पान की पहचान है। इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक व्यंजनों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। इस अवसर पर आगरा का पेठा, कानपुर के ठग्गू के लड्डू, हाथरस की हींग व रबड़ी, मुजफ्फरनगर का गुड़, प्रतापगढ़ के आंवला उत्पाद, महोबा का देशावरी पान और औरैया का देसी घी जैसे क्षेत्रीय उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि ह्ठह्ठह्ठ पहल से स्थानीय खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन को बढ़ावा मिलेगा। इससे छोटे उद्यमियों, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और स्थानीय कारोबारियों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी विकसित होंगे। निवेश और निर्यात को मिलेगा प्रोत्साहन! मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश बेहतर कनेक्टिविटी, एक्सप्रेस-वे, औद्योगिक कॉरिडोर और निवेश अनुकूल वातावरण के माध्यम से औद्योगिक विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले जैसे आयोजन प्रदेश के उद्यमियों और निवेशकों को नए व्यापारिक अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उद्घाटन के बाद मुख्य सचिव ने आयुक्त एवं निदेशक उद्योग के. विजयेन्द्र पांडियन, अपर आयुक्त उद्योग एवं प्रबंध निदेशक लघु उद्योग निगम रोहित आनंद तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पैवेलियन का भ्रमण किया। उन्होंने विभिन्न जिलों से आए हस्तशिल्पियों, बुनकरों, एमएसएमई उद्यमियों और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जौनपुर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया छठ पर्व, व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

जौनपुर,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में लोक आस्था का महापर्व छठ रविवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। पर्व के तीसरे दिन शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पारंपरिक गीतों और छठी मइया के जयकारों के बीच व्रती महिलाएं सिर पर पूजा सामग्री से सजे दउरा लेकर घाटों पर पहुंचीं।



नगर के प्रमुख गोपी घाट, अचला घाट, बीबीपुर घाट और बेलाव घाट सहित विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं का रेला लगा रहा। शाम होते ही घाटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। व्रती महिलाओं ने जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि तथा संतान की दीर्घायु की कामना की। इस दौरान घाटों पर पारंपरिक छठ गीतों की गूंज सुनाई देती रही। अर्घ्य देने के लिए महिलाओं ने सूप और डलिया में विभिन्न प्रकार के फल, गन्ना, नारियल, केला, अमरूद, अनानास, संतरा, सुथनी, साठी के चावल का चिउड़ा और पारंपरिक प्रसाद ठेकुआ सजाया था। विधि-विधान से सूर्यदेव को अर्घ्य देने के बाद सुहाग और परिवार की मंगलकामना के साथ पूजा-अर्चना की गई। छठ पर्व की शुरुआत शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ हुई थी। इस दिन व्रती महिलाओं ने लौकी की सब्जी, चने की दाल और चावल ग्रहण किया।

शनिवार को खरना के अवसर पर गुड़ और गाय के दूध से बनी खीर तथा साठी के चावल का प्रसाद ग्रहण करने के बाद 36 घंटे के निर्जला व्रत की शुरुआत हुई। अब सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन होगा। इसके बाद व्रती महिलाएं व्रत का पारण करेंगी। पर्व को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से प्रमुख घाटों पर सुरक्षा और व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए हैं। मान्यता है कि छठ व्रत में भगवान सूर्य और छठी मइया की उपासना करने से परिवार में सुख-समृद्धि आती है तथा संतान की दीर्घायु और खुशहाली का आशीर्वाद मिलता है। श्रद्धालु धरती माता ने बताया कि वे अपने पुत्रों की लंबी उम्र और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए छठी मइया और सूर्यदेव की पूजा करती हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई कामना छठी मइया अवश्य पूरी करती हैं।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)